E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 123 | प्रयागराज, बुधवार 29 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

होर्मुज के मुद्दे पर ईरान ने सऊदी-ओमान से बात की
कहा- अमेरिकी हमलों से क्षेत्र में तनाव बढ़ा, मिलकर हालात संभालेंगे

ओमान/तेहरान। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव को लेकर सऊदी अरब और ओमान से बातचीत की है। ईरान का कहना है कि अमेरिकी हमलों के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है, इसलिए अब मिलकर हालात संभालने की जरूरत है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से अलग-अलग फोन पर बात की। बातचीत में क्षेत्र के ताजा हालात और दोनों देशों के साथ रिश्तों पर चर्चा हुई। ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के मुताबिक, तीनों देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने और कूटनीतिक कोशिशें तेज करने पर जोर दिया, ताकि इलाके में फिर से स्थिरता लाई जा सके। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. इराक में गैसफील्ड पर हमला, अमेरिकी ड्रोन गिराने का भी दावाः ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि उत्तरी इराक के सबसे बड़े खोर मोर गैसफील्ड पर हमला हुआ है। वहीं एरबिल के पास चार संदिग्ध ईरानी ड्रोन गिरने और पश्चिमी इराक में एक अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का भी दावा किया गया है। 2. नेतन्याहू बोले- ट्रम्प से मुलाकात में ईरान होगा सबसे बड़ा मुद्दाः वॉशिंगटन रवाना होने से पहले

नेतन्याहू ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उनकी बातचीत का सबसे अहम मुद्दा ईरान होगा। उनका कहना है कि बैठक में इजराइल की सुरक्षा और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा होगी। 3. ईरान ने अमेरिका से बातचीत की खबरों को खारिज कियाः ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फिलहाल अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं चल रही है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से बातचीत की पहल करने के दावे गलत हैं। 4. होर्मुज और बाब-अल-मंदेब बंद हुए तो बढ़ेगी महंगाईः एक्सपटर्स का मानना है कि अगर दोनों अहम समुद्री रास्ते बंद हुए तो तेल की कीमतें बढ़ेंगी, माल ढुलाई महंगी होगी और वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ेगा। 5. अमेरिका-ईरान तनाव घटते ही सस्ता हुआ कच्चा तेलः अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष थमने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। हालांकि, बाजार को अब भी तनाव दोबारा बढ़ने की आशंका है। अमेरिका-ईरान बातचीत की खबरों से तेल सस्ता अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की खबरों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। मंगलवार की शुरुआती ट्रेडिंग में ब्रेंट क्रूड 1.66फीसदी यानी 1.47 डॉलर गिरकर 86.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह पिछले 8 दिनों का सबसे निचला स्तर है। वहीं, अमेरिकी डब्लूटीआई क्रूड भी 1.76फीसदी यानी 1.45 डॉलर टूटकर 81.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। ट्रम्प बोले- हमें क्या बेचना है, यह कोई नहीं बताएगा-तुर्किये को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने पर इजराइल की नाराजगी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ शब्दों में कहा, 'अमेरिका किसे क्या बेचेगा, ये हम तय करेंगे। कोई हमें नहीं बताएगा कि क्या बेचना है।' एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि तुर्किये उनके लिए एक अच्छा सहयोगी रहा है। उन्होंने इशारों में साफ कर दिया कि हथियारों की बिक्री का फैसला अमेरिका अपने हिसाब से करेगा। इससे पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुर्किये को एफ-35 देने का विरोध किया था। उनका कहना था कि इससे मध्य पूर्व में ताकत का संतुलन बिगड़ सकता है और क्षेत्र की सुरक्षा पर असर पड़ेगा।

कनाडा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर फायरिंग, ये चार महीने में दूसरी बार हुई घटना हैं

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में स्थित अमेरिकी वाणिज्य

दूतावास के बाहर सोमवार सुबह फायरिंग हुई। राहत की बात यह रही कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, गोली लगने से दूतावास की इमारत के बाहरी हिस्से को नुकसान पहुंचा है। पुलिस को मौके से एक कारतूस का खोल मिला है। अधिकारियों के मुताबिक, फायरिंग के तुरंत बाद एक सफेद सेडान कार तेज रफ्तार से वहां से निकलती दिखी। पुलिस ने पीछा भी किया, लेकिन कार की रफ्तार ज्यादा होने और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए पीछा बीच में ही रोकना पड़ा। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह इस मामले में कनाडा की एजेंसियों के संपर्क में है। वहीं, ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने कहा कि हमले के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें जल्द पकड़कर सख्त सजा दिलाई जाएगी। यह पहली बार नहीं है। 10 मार्च को भी इसी अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर कई राउंड फायरिंग हुई थी। उस मामले में आरोपियों की तलाश के दौरान एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी। टोरंटो पुलिस ने जून में दावा किया था कि कुछ युवाओं को एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स के जरिए भर्ती किया जा रहा है। उन्हें अलग-अलग जगहों पर फायरिंग करने और उसका वीडियो बनाकर भेजने के बदले पैसे देने का लालच दिया जाता है। पुलिस के मुताबिक, निशाने पर यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनेगॉग), यहूदी स्कूल, एक कचरा प्रबंधन कंपनी और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास जैसी जगहें रही हैं।

सिएटल फूड फेस्टिवल में गोलीबारी- 15 साल का संदिग्ध हिरासत में

सिएटल। अमेरिका के सिएटल सेंटर में रविवार को हुए

गोलीकांड के मामले में पुलिस ने 15 साल के एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। इस घटना में 3 लोगों की मौत हुई, जबकि 4 लोग घायल हुए। घायलों में 2 साल का बच्चा भी शामिल है, जिसकी हालत सोमवार को संतोषजनक बताई गई। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में कम से कम 3 हमलावरों के शामिल होने की बात सामने आई है। इनमें 15 साल का नाबालिग, उसका 19 वर्षीय परिचित, जिसकी घटनास्थल पर मौत हो गई, और कम से कम एक अन्य अज्ञात संदिग्ध शामिल है। पुलिस के मुताबिक, 15 साल के संदिग्ध ने घटनास्थल पर आत्मसमर्पण किया था। अधिकारियों के मुताबिक, क्रॉसफायर की चपेट में कम से कम 7 लोग आए थे, जबकि यह संख्या 8 भी हो सकती है। घायलों में 2 साल का बच्चा, 23 और 27 साल के दो पुरुष और 39 साल की एक महिला शामिल हैं।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, शॉपिंग मॉल गिरा, दी गयी एक मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी

कुमामोटो। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज

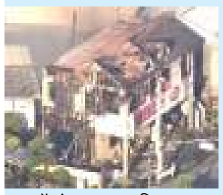

झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया। भूकंप के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

भूकंप प्रभावित इलाके में 300 सैनिक तैनात-जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने कहा है कि **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

फ्लोरिडा में 62 साल में पहली बार एक दिन में 2 कैदियों को फांसी, एक पूर्व पूलिसकर्मी, दूसरा कैदी 80 साल का

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में मंगलवार को दो डेथ रो कैदियों को कुछ घंटों के अंतर

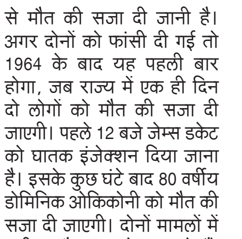

से मौत की सजा दी जानी है। अगर दोनों को फांसी दी गई तो 1964 के बाद यह पहली बार होगा, जब राज्य में एक ही दिन दो लोगों को मौत की सजा दी जाएगी। पहले 12 बजे जेम्स डकेट को घातक इंजेक्शन दिया जाना है। इसके कुछ घंटे बाद 80 वर्षीय डोमिनिक ओकिकोनी को मौत की सजा दी जाएगी। दोनों मामलों में अपील और मुकदमे चल रहे हैं, लेकिन अदालतों ने अब तक उनकी सजा पर रोक नहीं लगाई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है, जब फ्लोरिडा में मौत की सजाओं की रफ्तार लगातार बढ़ी है। गवर्नर रॉन डेसेंटिस के कार्यकाल में 2025 में राज्य ने 19 कैदियों को मौत की सजा दी थी, जो आधुनिक इतिहास में फ्लोरिडा का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस साल अब तक 10 कैदियों को मौत की सजा दी जा चुकी है। डकेट को 1987 में 11 साल की टेरेसा मैकाबी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। ओकिकोनी को 1987 में अपनी पूर्व प्रेमिका के माता-पिता रेमंड और मार्था आट्ज़नर की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। एक ही दिन में दोनों को घातक इंजेक्शन देने का फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब फ्लोरिडा ने मौत की सजा देने की रफ्तार बढ़ाई है। वहीं, अमेरिका के कई अन्य राज्यों ने इस सजा को खत्म कर दिया है या इस पर रोक लगा रखी है। आधुनिक दौर में एक ही दिन कई लोगों को मौत की सजा देना बेहद दुर्लभ है। पिछले 26 साल में ऐसा सिर्फ दो राज्यों में हुआ है। 2017 में अर्कांसस और 2000 में टेक्सास में एक ही दिन एक से ज्यादा लोगों को फांसी दी गई थी।

एपस्टीन की करोड़ों की दौलत किसे मिलेगी, बेलारूस की डेंटिस्ट सबसे बड़ी दावेदार
एपस्टीन ने मरने से पहले आखिरी कॉल उन्हें किया था

वॉशिंगटन डीसी। दुनिया के सबसे कुख्यात यौन अपराधियों में शामिल जेफ्री एपस्टीन की मौत को सात साल हो चुके हैं, लेकिन उसकी अरबों रुपए की संपत्ति को लेकर विवाद अब भी जारी है। अमेरिकी जांच एजेंसियों के नए दस्तावेजों से पता चला है कि बेलारूस की 37 वर्षीय डेंटिस्ट कारिना शुलियाक उसकी संपत्ति की सबसे बड़ी दावेदार हो सकती हैं। दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने अपनी वसीयत में कारिना के नाम करीब 959 करोड़ रुपए की संपत्ति और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी छोड़ी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कारिना शुलियाक एपस्टीन की गर्लफ्रेंड थीं। 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या से पहले एपस्टीन ने आखिरी फोन कॉल भी उन्हें ही किया था। दोनों के प्राइवेट ईमेल और तस्वीरें सार्वजनिक हुईं- जेफ्री एपस्टीन की 2019 में मौत के बाद डॉ. कारिना शुलियाक लोगों की नजरों से दूर रहकर सामान्य जिंदगी जी रही थीं। हालांकि, यह ज्यादा समय तक नहीं चल सका। जनवरी के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, ईमेल और रिकॉर्ड जारी किए। इनमें डॉ. कारिना शुलियाक और एपस्टीन के बीच हुए हजारों निजी ईमेल और दोनों की साथ में ली गई कई तस्वीरें भी शामिल हैं। इन दस्तावेजों से दोनों के करीब 8 साल पुराने रिश्ते का खुलासा हुआ। रिकॉर्ड के मुताबिक, बेलारूस में जन्मीं कारिना शुलियाक ने कभी खुद को एपस्टीन की पीड़िता नहीं बताया। वहीं, एफबीआई ने भी एपस्टीन मामले में उनसे कभी पूछताछ नहीं की। एपस्टीन की सैकड़ों कथित पीड़िताओं की ओर से केस लड़ने वाले वकीलों ने भी उनका बयान कभी दर्ज नहीं कराया। 21 साल की उम्र में एपस्टीन से मिली थीं कारिना-जांच रिकॉर्ड के मुताबिक, मार्च 2011 के आखिर में डॉ. कारिना शुलियाक की मुलाकात

जेफ्री एपस्टीन से हुई थी। तब वह 21 साल की थीं और न्यूयॉर्क आए उन्हें सिर्फ नौ महीने हुए थे। वह बेलारूस से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका आई थीं, ताकि डेंटिस्ट की पढ़ाई पूरी कर सकें। उस समय एपस्टीन फ्लोरिडा में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर चुका था। उस पर दर्जनों नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप भी लग चुके थे। एक महिला ने कराई थी मुलाकात-द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, दोनों की मुलाकात एक महिला ने कराई थी। उस महिला ने बताया कि उससे समय-समय पर दूसरी युवा महिलाओं को भी एपस्टीन के पास लाने के लिए कहा जाता था। महंगे तोहफों से प्रभावित करने की कोशिश- शुरुआती मुलाकातों में एपस्टीन ने कारिना को महंगे तोहफे और दूसरी सुविधाएं देकर प्रभावित करने की कोशिश की। पहली मुलाकात में ही उसने उनके डेंटिस्ट बनने के सपने को पूरा करने में मदद की पेशकश भी की। शुलियाक पर जमकर खर्च करता था एपस्टीन- जांच रिकॉर्ड के मुताबिक, जेफ्री एपस्टीन डॉ. कारिना शुलियाक को अपनी सबसे पसंदीदा बताता था और अक्सर कहता था कि वह उनसे प्यार करता है। उसने उन्हें अपने क्रेडिट कार्ड से मनचाही खरीदारी की पूरी छूट दे रखी थी। दोनों कई देशों की यात्रा भी साथ करते थे। रिकॉर्ड के अनुसार, एपस्टीन ने कई वर्षों में कारिना को करीब 10 लाख डॉलर दिए। उसने बेलारूस में रहने वाले उनके माता-पिता को भी हजारों डॉलर भेजे थे। ईमेल से यह भी पता चलता है कि 2012 में एपस्टीन ने कारिना का कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डेंटल स्कूल में दाखिला कराने में मदद की। उसने तीन साल की पढ़ाई की पूरी फीस भरने का भी फैसला किया था। समय के साथ कारिना ने एपस्टीन का इतना भरोसा जीत लिया कि वह उसकी संपत्तियों और कर्मचारियों के प्रबंधन में भी मदद करने लगीं। ग्रीन कार्ड दिलाने के लिए कराई थी समलैंगिक शादी- 2012 में डॉ. कारिना शुलियाक ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में दाखिले के लिए आवेदन किया। तब तक उनका स्टूडेंट वीजा खत्म हो चुका था और वह तय समय से ज्यादा अमेरिका में रह रही थीं। अमेरिकी न्याय विभाग के दस्तावेजों के मुताबिक, 2013 की शुरुआत में जेफ्री एपस्टीन ने उन्हें अमेरिका में रखने का रास्ता निकाला। उस समय न्यूयॉर्क में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिल चुकी थी। एपस्टीन का मानना था कि किसी अमेरिकी महिला से शादी होने पर कारिना के लिए ग्रीन कार्ड और बाद में नागरिकता हासिल करना आसान हो जाएगा। इसी योजना के तहत उसने अपनी एक महिला कर्मचारी से कारिना की शादी कराई। एक ईमेल में एपस्टीन ने लिखा था कि ग्रीन कार्ड पाने का सबसे तेज तरीका समलैंगिक विवाह है। बाद में अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट सांसदों ने आरोप लगाया कि एपस्टीन ने अमेरिकी इमिग्रेशन सिस्टम का दुरुपयोग किया। उनका कहना था कि यह शादी सिर्फ कागजों पर थी। मई 2018 में डॉ. कारिना शुलियाक अमेरिकी नागरिक बन गईं और करीब एक साल बाद उनका तलाक हो गया। मौत से पहले वसीयत में कारिना का नाम जोड़ा-जुलाई 2019 में जेफ्री एपस्टीन को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के करीब एक महीने बाद उसकी डॉ. कारिना शुलियाक से आखिरी बार करीब 20 मिनट फोन पर बात हुई। इस दौरान उसने कहा था कि सेक्स ट्रैफिकिंग का मामला उसकी उम्मीद से ज्यादा लंबा चलेगा। अगले ही दिन, 10 अगस्त 2019 को एपस्टीन न्यूयॉर्क की जेल में मृत मिला। अधिकारियों ने उसकी मौत को आत्महत्या बताया। दस्तावेजों के मुताबिक, मौत से कुछ समय पहले एपस्टीन ने अपनी वसीयत में बदलाव किया था। एक नोट में उसने अपनी उस समय की 60 करोड़ डॉलर की संपत्ति का बड़ा हिस्सा डॉ. कारिना शुलियाक के नाम करने की बात लिखी थी। इसमें शादी के इरादे से दी जाने वाली एक बड़ी हीरे की अंगूठी का भी जिक्र था।

रिपोर्ट-:पीओके में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग-19 की मौत, चुनाव का लोगों ने बहिष्कार किया था, पाकिस्तान सरकार के खिलाफ मार्च निकाल रहे थे

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर झड़पें हुईं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। संगठन ने सोशल मीडिया पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने दावा किया कि सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के समर्थकों की फायरिंग में उसके एक कार्यकर्ता की मौत हुई और दो अन्य घायल हुए। वहीं पीएमएल-एन और पीपीपी ने एक-दूसरे पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए हैं। चुनाव से पहले क्यों भड़का पूरा इलाका? इन प्रदर्शनों का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) कर रही है। सरकार ने 5 जून को प्रस्तावित प्रदर्शन से कुछ दिन पहले ही इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ नेता भूमिगत हो गए, जबकि कुछ अब भी पुंछ डिवीजन के मुख्यालय रावलाकोट में धरना स्थलों से आंदोलन चला रहे हैं।प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगह लगातार धरने और सड़क जाम हुए हैं। स्थिति इतनी खराब हो गई कि बैंक लगातार दो सप्ताह तक बंद रहे। अधिकांश क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अब भी बंद हैं। भारत की सीमा से सटा पुंछ डिवीजन, जहां सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन हुए, कई सप्ताह तक लगभग पूरी तरह सील रहा। इससे वहां आटा और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई। दूसरी ओर सरकार और अदालत का कहना है कि इन सीटों को केवल संविधान संशोधन के जरिए ही हटाया जा सकता है। चुनाव तीन चरणों में क्यों हो रहे हैं? 45 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव मूल रूप से 27 जुलाई को होने थे। लेकिन लगातार तनाव के कारण चुनाव तीन चरणों में कराने का फैसला लिया गया।

प्रियंका का प्रह्लाद जोशी पर कमेंट, संसद में हंगामा

नयी दिल्ली।लोकसभा में दोपहर 2 बजे से पेपर लीक से जुड़े 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा शुरू हो गई है। विधेयक में 2024 में बने कानून में बदलाव का प्रस्ताव है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा इससे पेपर लीक रोकने में मदद मिलेगी। प्रियंका गांधी ने सरकार से सवाल किया कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन चलाने का अधिकार किसने दिया। प्रियंका ने कहा- एक ऐसे व्यक्ति को शिक्षामंत्री बनाया जिसने गर्भवती महिला के बलात्कारियों की रिहाई पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद सत्ता पक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू निशिकांत दुबे और जोशी ने विरोध किया और कहा कि पहले प्रियंका इस बात का सबूत दें और माफी मांगे।स्पीकर बोले- मैं प्रियंका जी से कहूंगा कि बिना तथ्यों से इस तरह की बातें सदन में करें। प्रियंका का जवाब- जोशी जी ने बिल्किस बानो के बलात्कारियों पर बयान दिया उसका प्रमाण मैं भेज दूंगी। केसी वेणुगोपाल ने कहा- इन्होंने इंदिरा गांधी का नाम लिया है। आप हटा नहीं सकते हैं।

देश में जल्द चलेंगे रु10 और रु20 के प्लास्टिक के नोट, ट्रायल के लिए 200 करोड़ नोट छपेंगे,कागज के नोट भी चलेंगे

नई दिल्ली। बाजार में जल्द ही रु10 और रु20 के प्लास्टिक नोट नजर आएंगे। रिजर्व बैंक 100-100 करोड़ यानी टोटल 200 करोड़ पॉलीमर यानी प्लास्टिक से बने नोट छापेगा। यह प्लास्टिक करेंसी का ट्रायल होगा, अगर यह सफल होता है तो आगे और नोट भी छापे जाएंगे। केंद्र सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में दी। हालांकि, पॉलीमर नोटों का ट्रायल कब शुरू होगा, इसकी तारीख का ऐलान अभी नहीं किया गया है। पॉलीमर बैंकनोट के ट्रायल सफल होने के बाद आरबीआई रु10 और रु20 दोनों वैल्यू के नोटों को रेगुलर तौर पर जारी करेगा। हालांकि कागज की मौजूदा करेंसी भी चलती रहेगी। इसे बंद नहीं किया

जाएगा। 10 दिन पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि आरबीआई आरबीआई जल्द ही देश में पॉलीमर से बने नोटों का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। यह देश में नए जनरेशन की करेंसी लाने के आरबीआई के प्लान का अगला कदम है। 1. पॉलीमर नोट क्या होते हैं और सरकार इन्हें क्यों ला रही? पॉलीमर बैंकनोट्स कागज के बजाय एक खास किस्म के प्लास्टिक मटेरियल यानी पॉलीमर सबस्ट्रेट पर छापे जाते हैं। ये छूने में तो सामान्य नोटों जैसे ही हल्के होते हैं, लेकिन पानी में भीगने पर भी नहीं गलते और लंबे समय तक चलते हैं। इन्हें लाने की मुख्य वजहें-लंबी उम्रः ये नोट पानी, धूल और गंदगी से खराब नहीं होते और आसानी से फटते भी नहीं हैं। नकली नोटों पर लगामः पॉलीमर शीट पर एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स आसानी से जोड़े जा सकते हैं, जिससे नकली नोट बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। छपाई खर्च में बचतः कागजी नोट जल्दी खराब होते हैं, जिससे छपाई का खर्च बढ़ता है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

एनएससीटी ने छठवें सहयोग में मृत सदस्य के परिवार को दिया 10 लाख 21 हजार का आर्थिक सहयोग

नेशनल सेल्फ केयर टीमएनएससीटी ने छठवें सहयोग में मृत सदस्य के परिवार को दिया 10 लाख 21 हजार का आर्थिक सहयोग इस मानवीय सहयोग में बलिया जनपद के 895 सदस्यों ने निभाई अहम भूमिका -उमेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया/रसड़ा। सोमवार को कोषाध्यक्ष वेद निमेष आदि सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के दिशा-निर्देशन में सभी जनपदों के पदाधिकारियों के निष्ठापूर्वक इस छठवें सहयोग में अपना अमूल्य योगदान देकर व दिलाकर एनएससीटी के सहयोग को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित कराने में सार्थक भूमिका का संपादन किया है। जिलाध्यक्ष ने बताया नामिनी के खाते में 10 लाख 21 हजार रूपये का सहयोग कर अपने पिछले सभी रिकार्ड को तोड़ दिया है। यह जानकारी देते हुए एनएससीटी बलिया जनपद के जिलाध्यक्ष उमेश राम कन्नौजिया ने बताया कि इस छठवें सहयोग में बलिया जनपद के सदस्यों की अहम भूमिका रही।

नेशनल सेल्फ केयर टीम (एनएससीटी) सेवा परमो धर्म की भावना से प्रेरित होकर हम सबका, हम सबके लिए, हम सबके द्वारा के समभाव से देश व प्रदेश के सभी संवर्गो के अंतर्गत आने वाले नागरिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों, संविदाकर्मियों समेत सभी जनमानस की जरूरी आर्थिक, सामाजिक एवं विभिन्न प्रकार की सहायता हेतु बनाई गई थी जिसका अब सार्थक परिणाम व्यापक रूप से धरताल पर देखने को मिल रहा है। एनएससीटी ने अपने छठवें सहयोग प्रतागढ़ जनपद के मृत सदस्य जमालुद्दीन अंसारी की धर्मपत्नी नसरीना बानो के खाते में मात्र 50-50 रूपए के सहयोग के बदतौलत नामिनी के खाते में 10 लाख 21 हजार रूपये का सहयोग कर कि इस सहयोग में बागी बलिया जनपद की भी अहम भूमिका रही जिसमें 895 सदस्यों ने अहम योगदान दिया। उन्होंने इस मानवीय सहयोग में अहम भूमिका निर्वहन करने वाले एनएससीटी बलिया जिलामंत्री महिमा पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार, जिला आईटी सेल प्रभारी सबीहा नूर अंसारी, जिला उपाध्यक्ष रानी पांडेय, जिला मंत्री उत्तम कुमार, जिला प्रवक्ता अमृत कुमार सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राहुल कुमार प्रति कृतज्ञयता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि आने वाले दिनों में एनएससीटी कई और कीर्तिमान स्थापित करने में सफल साबित होगी। (एनएससीटी) सेवा परमो धर्म की भावना से प्रेरित होकर हम सबका, हम सबके लिए, हम सबके द्वारा के समभाव से देश

उन्होंने बताया कि एनएससीटी के संस्थापक विवेकानंद, सह संस्थापक सुदेश पांडेय, संजीव रजक, संस्थापक मंडल के बबीता वर्मा, संगठन मंत्री अंकिता शुक्ला, डॉ फारूक, प्रदेश धअध्यक्ष अनिल वर्मा, प्रांतीय सचिव सन्नी सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष वेद निमेष आदि सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के दिशा-निर्देशन में सभी जनपदों के पदाधिकारियों के निष्ठापूर्वक इस छठवें सहयोग में अपना अमूल्य योगदान देकर व दिलाकर एनएससीटी के सहयोग को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित कराने में सार्थक भूमिका का संपादन किया है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि इस सहयोग में बागी बलिया जनपद की भी अहम भूमिका रही जिसमें 895 सदस्यों ने अहम योगदान दिया। उन्होंने इस

इस मानवीय सहयोग में बलिया जनपद के 895 सदस्यों ने निभाई अहम भूमिका : उमेश

अपने पिछले सभी रिकार्ड को तोड़ दिया है। यह जानकारी देते हुए एनएससीटी बलिया जनपद के जिलाध्यक्ष उमेश राम कन्नौजिया ने बताया कि इस छठवें सहयोग में बलिया जनपद के सदस्यों की अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया कि एनएससीटी के संस्थापक विवेकानंद, सह संस्थापक सुदेश पांडेय, संजीव रजक, संस्थापक मंडल के बबीता वर्मा, संगठन मंत्री अंकिता शुक्ला, डॉ फारूक, प्रदेश धअध्यक्ष अनिल वर्मा, प्रांतीय सचिव सन्नी सिंह, प्रदेश व प्रदेश के सभी संवर्गो के अंतर्गत आने वाले नागरिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों, संविदाकर्मियों समेत सभी जनमानस की जरूरी आर्थिक, सामाजिक एवं विभिन्न प्रकार की सहायता हेतु बनाई गई थी जिसका अब सार्थक परिणाम व्यापक रूप से धरताल पर देखने को मिल रहा है। एनएससीटी ने अपने छठवें सहयोग प्रतागढ़ जनपद के मृत सदस्य जमालुद्दीन अंसारी की धर्मपत्नी नसरीना बानो के खाते में मात्र 50-50 रूपए के सहयोग के बदतौलत मानवीय सहयोग में अहम भूमिका निर्वहन करने वाले एनएससीटी बलिया जिलामंत्री महिमा पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार, जिला आईटी सेल प्रभारी सबीहा नूर अंसारी, जिला उपाध्यक्ष रानी पांडेय, जिला मंत्री उत्तम कुमार, जिला प्रवक्ता अमृत कुमार सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राहुल कुमार प्रति कृतज्ञयता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि आने वाले दिनों में एनएससीटी कई और कीर्तिमान स्थापित करने में सफल साबित होगी।

ओबीसी अभ्यर्थियों हेतु कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड के निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए साक्षात्कार 30 जुलाई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उद्यमिता विकास अनुभाग-9, उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, कानपुर के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड में चार माह का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अभ्यर्थियों को स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

उन्होंने कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ट्रेड के सभी ऑनलाइन आवेदनकर्ताओं को सूचित किया है कि वे अपने समस्त मूल शैक्षिक एवं अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों सहित निर्धारित तिथि 30 जुलाई 2026 (गुरुवार) को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर साक्षात्कार में प्रतिभाग करें।

20 लीटर कच्ची शराब व 200 किलो लहन बरामद, एक अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को निर्माण के अड्डों एवं संदिग्ध घरों पर छापेमारी की गई। कार्रवाई

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत उप आबकारी आयुक्त, लखनऊ प्रभार के मार्गदर्शन तथा जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 प्रशांत कुमार ने हमराह स्टाफ के साथ विभिन्न स्थानों पर सघन दबिश की कार्रवाई की। इस क्रम में सदर तहसील के थाना भदोखर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम काबुलीन में अवैध कच्ची शराब के दौरान कुल 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 200 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। उक्त प्रकरण में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत 01 अभियोग पंजीकृत किया गया है। जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से इस प्रकार की प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग हेतु अतिथि प्रवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोमवार को जिला समाज कल्याण अधिकारी रायबरेली आर.वी. सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत सिविल सेवा परीक्षा (आईएएस/पीसीएस), जेईई/नीट तथा एनडीए/सीडीएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जनपद में संचालित निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु अध्यापन कार्य के लिए अतिथि प्रवक्ताओं के चयन के लिए कोर्सवार एवं विषयवार आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अतिथि प्रवक्ताओं का चयन विषय विशेषज्ञ एवं पर्यवेक्षण समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। यूपीएससी/पीसीएस के लिए सोसाइटी, आंतरिक सुरक्षा, भूगोल, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, विज्ञान, सी-सैट (गणित) तथा सी-सैट (हिन्दी-अंग्रेजी) विषयों के विशेषज्ञों की आवश्यकता है। एनडीए के लिए गणित एवं रसायन विज्ञान तथा नीट के लिए वनस्पति विज्ञान विषय के प्रवक्ताओं का चयन किया जाएगा। यूपीएससी/पीसीएस विषयों के लिए विश्वविद्यालय अथवा राजकीय डिग्री कॉलेज के शिक्षक, आईएएस मुख्य परीक्षा अथवा पीसीएस (साक्षात्कार) उत्तीर्ण अभ्यर्थी, दो बार पीसीएस (मुख्य परीक्षा) उत्तीर्ण अभ्यर्थी अथवा किसी प्रतिष्ठित निजी कोचिंग संस्थान में कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। एनडीए के लिए संबंधित विषय में प्रथम श्रेणी से एमएससी अथवा एमटेक तथा नीट के लिए संबंधित विषय में एमएससी अथवा एमबीबीएस योग्यता निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अपनी शैक्षिक योग्यता एवं अनुभव संबंधी प्रमाण-पत्रों सहित विस्तृत बायोडाटा (सीवी) के साथ आवेदन पत्र अभ्युदय प्रशिक्षण केन्द्र, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, रायबरेली अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, रायबरेली में 29 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक जमा कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

रसड़ा के व्यापारियों की समस्याओं के मद्देनज़र मंत्रियों एवं सचिवों को पत्र लिखने का आश्वासन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया/रसड़ा। सोमवार को उत्तर

प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बनवारी लाल कंछल एवं प्रांतीय महामंत्री श्री अजय साहू जी ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के व्यापारिक प्रतिष्ठान पर पहुंचकर व्यापारियों की एक बैठक को संबोधित किया। बनवारी लाल कंछल ने रसड़ा के व्यापारियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के मंत्रियों एवं सचिवों को पत्र लिखने की बात कही। उन्होंने व्यापार मंडल द्वारा 25 प्रकार के व्यापारियों के हित में किए गए कार्यों का विवरण पत्रक के रूप में व्यापारियों में वितरित किया। उन्होंने ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं एफडीआई का कड़ा विरोध किया और सरकार से मांग की कि इन दोनों पर तत्काल रोक लगाई जाए। विद्युत कटौती, स्मार्ट मीटर एवं नगर विकास की अन्य समस्याओं के संबंध में भी नगर विकास मंत्री से मिलकर समस्याओं के समाधान की बात कही। प्रांतीय महामंत्री श्री अजय साहू जी ने व्यापारियों की समस्याओं को लेकर कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने की बात कही। इस कार्यक्रम में पेट्रोल पंप मालिक राजन गुप्ता ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाये जाने के संबंध में प्रांतीय अध्यक्ष को अवगत कराया। इस बैठक में सर्वश्री रिंकू गुप्ता, दीपक गुप्ता, अंजनी गुप्ता, रविंद्र गुप्ता सहित बहुत सारे व्यापारी उपस्थित रहे। अंत में पूर्व अध्यक्ष श्याम कृष्ण गोयल ने सभी अतिथियों सहित आगंतुक व्यापारियों का आभार व्यक्त किया।

27वां कारगिल विजय दिवस

कारगिल के रणबांकुरों को नमन, मातृभूमि सेवा मिशन ने पूर्व सैनिकों का किया सम्मान, शहीद स्मारक पर आयोजित समारोह में दो मिनट का मौन रखकर अमर बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि, पौधा भेंट कर किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन, कुरुक्षेत्र अध्याय प्रेरित

सेवा संस्थान की रायबरेली इकाई द्वारा शहर के ऐतिहासिक शहीद स्मारक परिसर में श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिदिन की भांति आयोजित निशुल्क योग शिविर से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में योग साधकों ने योगासन एवं प्राणायाम कर स्वस्थ और सशक्त भारत का संदेश दिया। इसके उपरांत आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह में वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की तथा भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय हिंद, भारतीय सेना अमर रहे और कारगिल के अमर शहीद अमर रहें के उद्घोष से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। मातृभूमि सेवा मिशन की ओर से पूर्व सैनिक संगठन के प्रदेश महासचिव नरेंद्र सिंह फौजी, जिलाध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी संजय सिंह, सक्रिय सदस्य गार्गी मिश्रा, कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह चौहान तथा वरिष्ठ सदस्य अवधेश सिंह को सम्मान स्वरूप मधु कामिनी का पौधा (मुर्रया पैनिकुलाटा) के पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। मिशन के इकाई संयोजक प्रदीप पांडेय ने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि पौध भेंट करना शहीदों के प्रति सम्मान के साथ प्रकृति संरक्षण का भी संदेश है। मुख्य वक्ता पूर्व सैनिक संगठन के प्रदेश महासचिव नरेंद्र सिंह फौजी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्र समर्पण का प्रतीक है। कारगिल के वीरों ने कठिनतम परिस्थितियों में पाकिस्तान की घुसपैठ को विफल कर तिरंगे की आन, बान और शान की रक्षा की। उनका बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूमि विकास बैंक डलमऊ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रवीन्द्र कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सैनिकों का सम्मान प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। नई पीढ़ी को कारगिल के वीरों के शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर देशहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष रामराज गिरी, वरिष्ठ संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा, संरक्षक अजय मिश्रा, सहसंयोजक रामानुज मिश्रा, योग प्रशिक्षक अनूप शर्मा योग प्रशिक्षण का शिवांशी पांडे, आराध्या, साधकों में सुमन यादव, माया देवी, रश्मि पांडेय, पूनम, देवता दीन, दिनेश पांडे, सत्येंद्र, भारत लाल, आशीष, तिज़िल अग्रवाल, शिवम, रंजीत अरविंद, आराधना, केदार, सुनैना, राकेश सहित बड़ी संख्या में योग साधक, पूर्व सैनिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जलवायु टावर्स आरडब्ल्यूए की अनूठी पहल को डॉ महेश शर्मा ने सराहा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को सेक्टर 47 जलवायु टावर्स आरडब्ल्यूए ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए मासिक वरिष्ठ नागरिक मिलन समारोह का

आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि आज के समय में वरिष्ठ नागरिकों के बीच बढ़ता अकेलापन समाज के सामने एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम बुजुर्गों को अपनापन, सम्मान और सामाजिक जुड़ाव का एहसास कराते हैं। डॉ शर्मा ने आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ज्योति डी त्रिपाठी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष से प्रत्येक माह आयोजित हो रहा यह वरिष्ठ नागरिक मिलन समारोह है।जिसमें वरिष्ठ नागरिकों का जन्मदिन समारोह, स्वास्थ्य जागरूकता एवं आपसी संवाद जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। ये अपने आप में एक अनूठी पहल है और अन्य आरडब्ल्यूए के लिए भी प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम में फोनरवा के संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी त्रिलोक शर्मा तथा भाजपा मंडल प्रभारी नीरज चौधरी भी उपस्थित रहे। आरडब्ल्यूए की ओर से अध्यक्ष ज्योति डी त्रिपाठी, महासचिव अमित भट्टाचार्जी, उपाध्यक्ष गौरव अत्री, कोषाध्यक्ष ऋषि जैन, सुरक्षा प्रभारी अंकुर भटनागर एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष सौरभ श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह के दौरान वरिष्ठ नागरिकों का जन्मदिन मनाया गया। इसके साथ ही सोसायटी के निवासियों द्वारा गीत-संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। सभी ने वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सक्रिय एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की।

व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं के मध्य समन्वय से न्याय व्यवस्था होगी और अधिक सशक्त-सुरेश चन्द्र यादव

व्यापारी और अधिवक्ता समाज एक-दूसरे के पारस्परिक सहयोगी- मुकेश रस्तोगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव, महामंत्री संजय सिंह कछवाह सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी का प्रान्तीय व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी के नेतृत्व में व्यापारियों एवं समाजसेवियों द्वारा सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के सभागार में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओपी यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मान से अभिभूत नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव ने वरिष्ठ व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी सहित उपस्थित सभी व्यापारियों एवं समाजसेवियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि सम्पूर्ण अधिवक्ता समाज के प्रति व्यक्त विश्वास और समस्याओं के समाधान के लिए सदैव सकारात्मक एवं उत्तरदायी भूमिका निभाएगी। महामंत्री संजय सिंह कछवाह ने कहा कि

नई कार्यकारिणी अधिवक्ताओं के पेशेवर हितों की रक्षा के साथ-साथ व्यापारी समाज के साथ सतत संवाद एवं समन्वय स्थापित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में व्यापारिक गतिविधियों के समक्ष अनेक विधिक एवं प्रशासनिक चुनौतियाँ उत्पन्न होती रहती हैं, जिनके समाधान के लिए बार एसोसिएशन व्यापारियों को आवश्यक विधिक सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि व्यापारी एवं अधिवक्ता समाज एक-दूसरे के स्वाभाविक सहयोगी हैं। व्यापारिक गतिविधियों की सुरक्षा, विधिक जागरूकता, निवेश के अनुकूल वातावरण तथा सामाजिक न्याय की स्थापना में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं के मध्य समन्वय को और अधिक सशक्त बनाते हुए समाजहित एवं जनहित के अनेक रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाएगी। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ओपी यादव ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी लोकतांत्रिक परंपराओं, पेशेवर नैतिकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व में निहित होती है। उन्होंने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम संगठन की गरिमा, अधिवक्ताओं की प्रतिष्ठा एवं न्यायिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि बार और समाज के मध्य जितना अधिक संवाद एवं सहयोग बढ़ेगा, न्याय व्यवस्था उतनी ही अधिक जनोन्मुखी एवं प्रभावी बनेगी। सेवारत स्वर्णकार संस्थान के संरक्षक भौमेश कुमार ने कहा कि अधिवक्ता समाज लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी न्याय के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का भी निर्वहन करेगी तथा व्यापारियों एवं आम नागरिकों को विधिक जागरूकता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। सेवानिवृत्त अधिकारी इं. दुर्गा प्रसाद स्वर्णकार ने कहा कि किसी भी संस्था की पहचान उसके नेतृत्व की दूरदर्शिता, निष्पक्षता एवं कार्यशैली से होती है। उन्हें विश्वास है कि नई कार्यकारिणी संगठन की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हुए समाज के सभी वर्गों का विश्वास अर्जित करेगी। व्यापारी नेता दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि व्यापारिक समुदाय को समय-समय पर विभिन्न कानूनी एवं प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बार एसोसिएशन और व्यापारी संगठनों के बीच मजबूत समन्वय व्यापारिक वातावरण को अधिक

व्यापारियों ने नवनियुक्त बार कार्यकारिणी का किया स्वागत

सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्री रस्तोगी से उनके वर्षों पुराने आत्मीय एवं पारिवारिक संबंध रहे हैं, जो समय के साथ और अधिक प्रगाढ़ हुए हैं। श्री रस्तोगी सदैव व्यापारी हितों, सामाजिक सरोकारों एवं जनसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि व्यापारी एवं अधिवक्ता समाज के बीच आपसी विश्वास, संवाद और सहयोग की यह परंपरा आगे और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि सेन्ट्रल बार एसोसिएशन न्यायिक मूल्यों की रक्षा, अधिवक्ताओं के हितों के संवर्धन तथा व्यापारियों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग की विधिक एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता, पारस्परिक विश्वास एवं रचनात्मक सहयोग के माध्यम से व्यापारी और अधिवक्ता समाज के संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा, जिससे न्यायिक व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास भी मजबूत होगा। वरिष्ठ व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव, महामंत्री संजय सिंह कछवाह एवं सम्पूर्ण कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित यह नई टीम संगठन की गौरवशाली परंपराओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य सुरक्षित, पारदर्शी एवं विश्वासपूर्ण बनाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज सदैव अधिवक्ता समुदाय के सम्मान एवं सहयोग के लिए प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में यह संबंध और अधिक सुदृढ़ होंगे। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, सौहार्द एवं पारस्परिक सम्मान से ओतप्रोत रहा।

उपस्थित व्यापारियों, समाजसेवियों एवं अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए न्याय, जनसेवा, सामाजिक समरसता तथा व्यापारी-अधिवक्ता समन्वय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया।

गौ सम्मान आवाहन अभियान के द्वितीय चरण में देश भर के सभी जिलों से सरकार को सौपे गए 15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना पत्र

गौ हत्या निषेध हेतु केंद्रीय कानून गौ माता को राष्ट्रमाता का सम्मान केंद्रीय मंत्रालय की स्थापना सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगे सरकार के समक्ष रखी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सोमवार को गौ माता की सेवा सुरक्षा एवं सम्मान सुरक्षित करने के उद्देश्य से संचालित गौ सम्मान आवाहन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत आज जनपद प्रयागराज सहित देश भर के सभी जिलों में संबंधित जिला अधिकारी महोदय के माध्यम से भारत के महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री संबंधित राज्य के महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम हस्ताक्षर युक्त प्रार्थना पत्र एवं ज्ञापन सौंप गए ज्ञातव है कि पिछले लगभग 6 माह से देश भर के संतो गौ सेवकों एवं गौ भक्तों ने के नेतृत्व में गौ सम्मान आवाहन अभियान संचालित किया जा रहा है अभियान के माध्यम से संपूर्ण भारत में गौ हत्या निषेध हेतु केंद्रीय कानून गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना केंद्र की गौ मंत्रालय की स्थापना केंद्रीय गोचर नीट के निर्णय तथा कृषि चिकित्सा पर्यावरण शिक्षा एवं मानव जीवन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों को गांव केंद्रित राष्ट्र नीति का हिस्सा बनाने सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगे सरकार के समक्ष रखी गई है इन मांगों के समर्थन में देश भर के व्यापक जन जागरण एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

अभियान के प्रथम चरण में 27 अप्रैल 2026 को देश के लगभग 5000 तहसीलों के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षर सहित प्रार्थना पत्र राष्ट्रपति प्रधानमंत्री संबंधित राज्य के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को सौंप गए थे इन मांगों पर अपेक्षित निर्णय न होने के कारण अभियान के द्वितीय चरण में आज पुनः देशभर के सभी जिलों में 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षर सहित अनुस्मारक रिमाइंडर प्रार्थना पत्र सरकार को प्रेषित किए गए.जनपद प्रयागराज की ओर से भी लगभग 6 लाख नागरिकों के हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना पत्र संबंधित जिला अधिकारी महोदय के माध्यम से भारत सरकार को प्रेषित किया गया.कार्यक्रम का शुभारंभ निर्धारित शुभ मुहूर्त में गौ माता के पूजन सखानंद एवं श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र के सामूहिक जाप के साथ हुआ इसके उपरांत गौ भक्तों ने झंडा बैनर अभियान संदेशों वाले प्ले कार्ड एवं भजन कीर्तन के साथ शांतिपूर्ण एवं अनुशासित प्रार्थना यात्रा निकालते हुए जिला अधिकारी कार्यालय तक पहुंचे। प्रार्थना यात्रा में भगवान श्री कृष्णा बलराम के स्वरूप गौ माता की झांकी तथा अभियान के अंतर्गत संकलित हस्ताक्षरों का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात संत महात्माओं जिला कार्यकारिणी विभिन्न सामाजिक महोदय को ज्ञापन एवं हस्ताक्षर मुक्त प्रार्थना पत्र सौंपा। इस अवसर पर अभियान के प्रतिनिधियों ने कहा कि गौ माता केवल धार्मिक आस्था का विषय ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति कृषि पर्यावरण ग्राम अर्थव्यवस्था एवं जनकल्याण का भी महत्वपूर्ण आधार है उन्होंने सरकार से गौ माता की सेवा सुरक्षा एवं सम्मान से संबंधित सभी मांगों पर शीर्ष सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।

साथ ही कहा कि यह अभियान पूर्णता शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संचालित किया जा रहा है तथा जन भावनाओं के अनुरूप निर्णय होने के चरणबद्ध रूप से आगे जारी रहेगा। इस अवसर पर जिले के संत महात्मा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि मातृशक्ति युवा किसान व्यापारी जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित रहे।

आईएमएस नोएडा में एआई एवं आधुनिक शोध पद्धतियों पर एफडीपी का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को आईएमएस नोएडा के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने 'रिसर्च इंटेलिजेंस 2026: इंटीग्रेटिंग एविडेंस सिंथेसिस, एआई एंड एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्स' विषय पर तीन दिवसीय एफडीपी का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में देशभर के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में शोध की बदलती दिशा और आधुनिक अनुसंधान तकनीकों पर गहन विचार-विमर्श किए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आईएमएस के सलाहकार प्रोफेसर डॉ. जेके शर्मा ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग अकादमिक शोध की कार्यप्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने शोध कार्यों में एआई के नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग पर बल देते हुए प्रतिभागियों से नवाचार, अंतर्विषयक दृष्टिकोण तथा शोध की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने का आह्वान किया। आईएमएस की डीन सीआरसी एवं मैनेजमेंट डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने कहा कि आज के समय में गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए पारंपरिक अनुसंधान पद्धतियों के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों

और उन्नत डेटा विश्लेषण तकनीकों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी दिल्ली तथा यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन सहित प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रख्यात शिक्षाविद एवं विषय विशेषज्ञ अपने अनुभव और ज्ञान साझा करेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, उन्नत डेटा विश्लेषण और आधुनिक शोध सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे उनकी शोध क्षमता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वहीं तकनीकी सत्रों में आईएमएस नोएडा के सहायक प्रोफेसर डॉ. जवाहर कुमार (पीएचडी, आईआईटी खड़गपुर) ने स्टाटा सॉफ्टवेयर के माध्यम से उन्नत डेटा विश्लेषण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को डेटा विश्लेषण की आधुनिक विधियों से परिचित कराया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंशुमान साहू (पीएचडी, आईआईटी खड़गपुर) ने सिस्टेमेटिक लिटरेचर सर्च विषय पर विस्तृत सत्र आयोजित किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त समीक्षा पद्धतियों, साक्ष्य-आधारित शोध प्रक्रिया तथा गुणवत्तापूर्ण साहित्य समीक्षा की तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। एफडीपी की संयोजक डा. अंशिका राजवंशी ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, साहित्य मानचित्रण, व्यावसायिक शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय उपकरणों तथा एसपीएसएस, स्मार्ट पीएलएस, स्टाटा और आर स्टूडियो जैसे प्रमुख सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में उभरते शोध आयामों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों को नवीनतम शोध पद्धतियों और तकनीकों की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी।

समाज हित में उत्कृष्ट योगदान पर उद्योगपति का सम्मान, UPSIA अधिकारियों ने किया धन्यवाद ज्ञापित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (UPSIA) के

अधिकारियों ने समाज हित में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए एक स्थानीय उद्योगपति के औद्योगिक प्रतिष्ठान का दौरा किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने उद्योगपति से मुलाकात कर उनके सामाजिक सरोकारों एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। UPSIA के अधिकारियों ने कहा कि उद्योग जगत केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने उद्योगपति द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों को प्रेरणादायक बताया। उद्योगपति ने UPSIA के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की उन्नति और जनकल्याण के लिए भविष्य में भी वे इसी प्रकार सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इस अवसर पर UPSIA के पदाधिकारी एवं उद्योग से जुड़े अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

सुजावन देव मंदिर पर सावन में लगने वाले भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी प्रयागराज से मिलकर सारी समस्याओं से अवगत करवाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। श्री सुजावन देव मंदिर पर सावन माह में लगने वाले भीड़

को देखते हुए हर वर्ष के कि तरह इस बार भी मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राजीव गिरि जी महराज ने 20/7/26 को जिलाधिकारी प्रयागराज से मिलकर सारी समस्याओं से अवगत करवाया था जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर आला अधिकारियों ने किया निरीक्षण पिछले साल में आई बाढ़ में बहे जाने वाले सीढी की रेलिंग को सुधारने के लिए और मंदिर में अन्य व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए बोला गया बिजली विभाग पुलिस प्रशासन अन्य अधिकारी गणों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अलर्ट रहने को कहा गया कोई अप्रिय घटना ना घटना पाए मंदिर मार्ग में लाइट लगवाने हेतु बिजली विभाग को भी आदेशित किया गया एनडीआरएफ एसडीआरएफ समेत टीम भी लगाए जाने को कहागया इस अवसर पर एसीपी कौड़ियारा अब्दुल सलाम खान एसडीएम बारा सुश्री शिखा शंखवार जी ने ग्राम पंचायत देवरिया के सचिवालय में पौधारोपण भी किया एवं सभी विभाग को सख्त निर्देश दिया कि लापरवाही न बरती जाए इस अवसर पर एसएचओ घूरपुर ब्लॉक से ग्राम पंचायत सचिव देवरिया मनोज कुमार एडीओ पंचायत जसरा समेत मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राजीव गिरि महराज एवं मंदिर के मुख्य पुजारी ज्ञानेंद्र गोस्वामी समेत कई लोग मौजूद रहे।

सपा नोएडा महानगर ने जौहर विश्वविद्यालय रामपुर के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण नोटिस के विरोध में सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को नोएडा समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन एवं समाजवादी अल्पसंख्यक सभा नोएडा महानगर के संयुक्त तत्वावधान में आज महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में सेक्टर-19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। समाजवादी छात्र सभा नोएडा महानगर संगठन द्वारा सेक्टर 39 डिग्री कॉलेज में मैं भी जौहर विश्वविद्यालय के पक्ष में बड़े पैमाने पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया ।इसके उपरांत उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर के 38 भवनों को ध्वस्त करने के जारी नोटिस पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हजारों छात्र-छात्राओं का भविष्य सुरक्षित रह सके। ज्ञापन में कहा गया कि यदि निर्माण संबंधी कोई प्रशासनिक अथवा दस्तावेजी अनियमितता है तो उसका समाधान कानून के दायरे में किया जा सकता है, लेकिन किसी शैक्षणिक संस्थान के भवनों को ध्वस्त करने से हजारों विद्यार्थियों की शिक्षा, डिग्री और भविष्य पर गंभीर संकट उत्पन्न होगा। महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा, 'समाजवादी पार्टी शिक्षा के अधिकार और

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के साथ खड़ी है। जौहर विश्वविद्यालय केवल एक इमारत नहीं, बल्कि हजारों छात्रों के सपनों और शिक्षा का केंद्र है। यदि किसी प्रकार की अनियमितता है तो उसका समाधान संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए, लेकिन विश्वविद्यालय के भवनों को ध्वस्त करना विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय होगा। राज्य सरकार को इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगानी चाहिए।' प्रदेश सचिव सुनील चौधरी एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने संयुक्त रूप से कहा, 'शिक्षा संस्थानों को बचाना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। किसी भी कार्रवाई का सबसे अधिक दुष्प्रभाव छात्रों पर पड़ता है। सरकार को ऐसा निर्णय लेना चाहिए जिससे कानून का सम्मान भी बना रहे और विद्यार्थियों की शिक्षा भी प्रभावित न हो।समाजवादी पार्टी विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए हर लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखेगी।' विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान एवं समाजवादी अल्पसंख्यक सभा नोएडा महानगर अध्यक्ष अली शेर ने संयुक्त रूप से कहा, 'जौहर विश्वविद्यालय से हजारों परिवारों की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। विश्वविद्यालय के भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई से छात्रों का भविष्य अधर में लटक जाएगा। हम महामहिम राज्यपाल से अनुरोध करते हैं कि विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ध्वस्तीकरण नोटिस पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया जाए।' इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. आश्रय गुप्ता, सुनील चौधरी, बबलू चौहान, रेशपाल अवाना, मोहम्मद तसलीम, गौरव कुमार यादव, महकार तंवर, अमित भाटी, वीरपाल प्रधान, बब्बू यादव, मोहम्मद दानिश, शालिनी खारी, देवेंद्र खारी, नेहा पांडे, राम सहेली, विमला, तनवीर हुसैन, टीटू यादव, एडवोकेट गौरव यादव, लोकेश यादव, मोहम्मद शमशाद सैफी, अमित बसोया, उदय सिंह, नितिन कुमार, मनोज प्रजापति, देवपाल यादव, अली शेर, नकुल चौहान, निरोगी सिंह, नजाकत अली, सलमान, समीर, मन्नान, कुलदीप कसाना, तालिब मुस्तफा, साहिल चौधरी, मोहम्मद चांद, अशरफ अंसारी, राजकुमार, अरशद मदनी, नासिर, निसार अहमद, मुनाजिर अंसारी, महेश जाटव, आसिफ, अरशद एवं विश्वास सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पालीटेक्निक की छात्रा अनुष्का सिंह के अच्छे प्रदर्शन पर हर्ष का इजहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। गवर्नमेंट गर्ल्स पालीटेक्निक की छात्रा अनुष्का सिंह ने कम्प्यूटर साइंस ऐंड

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम (अंतिम सेमेस्टर) उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 85.38 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस प्रदर्शन के लिए छात्रा के प्रति तमाम लोगों ने खुशी का इजहार किया है। इस संबंध में हर्ष प्रकट करने वालों व बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से राजकीय महिला पालीटेक्निक की प्रधानाचार्य सुश्री रश्मि शुक्ला, संस्थान की शैक्षिक अधिकारी श्रीमती आरती गुप्ता, विभाग प्रभारी श्रीमती अंजलि द्विवेदी, व्याख्याता कम्प्यूटर साइंस ऐंड इंजीनियरिंग के साथ ही बच्चाराम वर्मा, शातांशु कृष्ण, अनिल कुमार, गोपाल, विकास कुमार, अनूप श्रीवास्तव, मो0 हारुन, व अनवार अहमद आदि शिक्षक गण एवं कर्मचारी गण शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों का किया भ्रमण, व्यवस्थाओं के सम्बंध में अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बाढ़ राहत केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें एवं तैयारियां पहले से सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को नगर

आयुक्त सीलम सांई तेजा के साथ सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों-छोटा बघाड़ा, दारागंज, गंगानगर का भ्रमण करते हुए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने वहां के स्थानीय लोगो से संवाद करते हुए कहा कि जब जलस्तर बढ़ने लगे तो बाढ़ आने का इंतजार न करें, पहले से प्रशासन के द्वारा बनाये गये बाढ़ राहत केन्द्रों पर चले जाये, जिससे कि बाढ़ के समय किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये। उन्होंने छोटा बघाड़ा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा उपजिलाधिकारी सदर को बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में बाढ़ कंट्रोल रूम, सम्बंधित लेखपाल व थाना सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के मोबाइल नम्बर छोटे-छोटे बोर्ड पर लगवाये जाने के लिए कहा है। अपर जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि बघाड़ा में पूर्व वर्षों में बनने वाले बाढ़ राहत शिविर एनी बेसेंट गर्ल्स इण्टर कालेज के स्थान पर इस बार होलीटेट्री स्कूल को बाढ़ राहत केन्द्र के रूप में बनाया गया है। जिलाधिकारी ने बघाड़ा क्षेत्र में चौपाल लगाकर तथा अन्य माध्यमों से लोगो को नए बनाये गये बाढ़ राहत शिविर के बारे में जानकारी उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है, जिससे कि लोगो को बाढ़ आने के समय बाढ़ राहत केन्द्र की जानकारी रहे। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को सभी बाढ़ राहत केन्द्रों में खाना, पानी, साफ-सफाई, शौचालय, मेडिकल सहित अन्य सुविधाओं की पहले से ही आवश्यक व्यवस्थायें एवं तैयारियां सुनिश्चित करा लिए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को भी जहां पर बाढ़ आने की सम्भावना रहती है, वहां पर बाढ़ चौकियों को क्रियाशील किए जाने तथा वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने हेतु उस सम्बंध में पहले से ही तैयारी सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने बाढ़ आने के समय स्लूज गेट को समय से बंद करने तथा जल निकासी के लिए लगाये गये पम्पों को क्रियाशील बनाये रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणकर सभी आवश्यक व्यवस्थायें पहले से ही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह, तहसीलदार सदर सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को बाढ़ चौकियों को क्रियाशील किए जाने तथा वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें पहले से सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

मातृभूमि सेवा मिशन में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर मनाई गई डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन, रायबरेली इकाई द्वारा संचालित दैनिक निःशुल्क प्रातःकालीन योग शिविर में सोमवार प्रातः 6:00 बजे शहीद स्मारक प्रांगण में भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि श्रद्धा-सुमन अर्पित कर मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला योग साधिकाओं सुमन, रश्मि, माया, शिवांशी, सुनैना एवं पूनम द्वारा सामूहिक दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके उपरांत भारत लाल ने डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा सभी योग साधकों, महिलाओं, नन्हे-मुन्ने बच्चों एवं उपस्थित नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम अमर रहें' तथा 'भारत माता की जय' के गगनभेदी उद्घोष लगाए, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन के संयोजक प्रदीप पाण्डेय ने कहा, 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन राष्ट्रसेवा, सादगी, अनुशासन और वैज्ञानिक सोच का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी देश के युवाओं को बड़े सपने देखने, निरंतर परिश्रम करने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।' कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष भागवत प्रताप सिंह, योग शिक्षक अनूप शर्मा, भारत लाल, राकेश, अरविंद, देवता, दिनेश पाण्डेय, सुमन, रश्मि, माया, शिवांशी, सुनैना एवं पूनम सहित बड़ी संख्या में योग साधक, महिलाएं, नन्हे-मुन्ने बच्चे एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी मेधा रूपम का हंटर चला- 3 करोड़ के घरोनी फर्जीवाड़े में महिला लेखपाल नीरज लता सस्पेंड,पति के नाम दर्ज कराई थी सरकारी जमीन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को नोएडा में सरकारी जमीन घोटाले पर डीएम मेधा रूपम का बड़ा एक्शन! करीब 3 करोड़ की सरकारी जमीन को फर्जी घरोनी के जरिए पति के नाम दर्ज कराने के आरोप में सदर तहसील की महिला लेखपाल नीरज लता को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मामले ने राजस्व विभाग में हड़कंप मचा दिया है। नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) की जिला अधिकारी मेधा रूपम ने 3 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी जमीन के फर्जीवाड़े के आरोप में सदर तहसील में तैनात महिला लेखपाल नीरज लता को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। लेखपाल पर अपने पद का दुरुपयोग कर पति के नाम अवैध तरीके से सरकारी जमीन दर्ज कराने के गंभीर आरोप हैं। बता दें कि आरोपी महिला लेखपाल नीरज लता नोएडा की सदर तहसील में कार्यरत थीं। जांच में सामने आया कि उन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल किया।लेखपाल ने बाजरपुर गांव में स्थित करीब 450 वर्ग मीटर बंजर सरकारी भूमि की फर्जी घरोनी (स्वामित्व दस्तावेज) तैयार की। इसके बाद चालाकी से उसे राजस्व सरकारी अभिलेखों (रिकॉर्ड्स) में अपने

पति के नाम पर दर्ज करा दिया।राजस्व रिकॉर्ड में हेराफेरी कर हड़पी गई इस जमीन की बाजार में वर्तमान कीमत 3 करोड़ रुपये से भी अधिक आंकी जा रही है।जैसे ही यह भ्रष्टाचार का मामला जिला अधिकारी मेधा रूपम के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत इसकी गोपनीय जांच बैठाई। शुरुआती जांच रिपोर्ट में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की पुष्टि होते ही डीएम ने बिना देर किए नीरज लता को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है, जिससे सदर तहसील के अन्य कर्मचारियों में खौफ का माहौल है। नोएडा की पहली महिला डीएम मेधा रूपम के इस कड़े रुख से भ्रष्ट अधिकारियों में खौफ का माहौल है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी संपत्ति और रिकॉर्ड में किसी भी तरह की हेराफेरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में संलिप्त अन्य कड़ियों की भी जांच की जा रही है।

डीएम, एसपी, सीडीओ, डीपीआरओ सहित हिण्डालको प्रबंधन ने रवि सिंह को दी शुभकामनाएँ, भारत का प्रतिनिधित्व करने थाईलैंड के लिए हुए रवाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रेणुकूट/सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के रेणुकूट निवासी एवं

हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के बॉयलर को-जनरेशन विभाग में कार्यरत रवि सिंह (पुत्र स्वर्गीय महामाया प्रसाद सिंह) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बुधवार को थाईलैंड के पटाया शहर के लिए रवाना हो गए। रवि सिंह 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली 9वीं हीरोज़ ताईक्वानडो इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2026 में पुरुष वर्ग अंडर-58 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनिया के लगभग 30 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे रवि सिंह पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का गौरव बढ़ा चुके हैं। उन्होंने यूरोप के देश रोमानिया में रजत (सिल्वर) पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। इसके अलावा नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण (गोल्ड) पदक जीतकर भी भारत का तिरंगा बुलंद किया उनकी इन उपलब्धियों ने उन्हें देश के उभरते हुए अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में एक विशेष पहचान दिलाई है। रवि सिंह की इस उपलब्धि से न केवल रेणुकूट, बल्कि पूरे जनपद सोनभद्र और उत्तर प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है। उनके परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा हिण्डालको परिवार ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की कामना की है। थाईलैंड रवाना होने से पहले रवि सिंह ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का विषय है। देश के लिए खेलने का अवसर मिलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं पूरी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ खेलते हुए अपने देश, प्रदेश और जनपद का नाम रोशन करने का पूरा प्रयास करूंगा।' रवि सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु एवं अपने माता-पिता को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, संस्कार और आशीर्वाद ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। रवि सिंह के थाईलैंड रवाना होने पर सोनभद्र के जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जागृति अवस्थी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) नमिता शरण ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने की कामना की। वहीं हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के यूनिट प्रमुख समीर नायक, क्लस्टर एचआर हेड जसबीर सिंह, एचआर हेड अजय सिन्हा तथा बॉयलर को-जनरेशन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने भी रवि सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वर्णिम सफलता की शुभकामनाएँ दीं। रवि सिंह की यह उपलब्धि जनपद सोनभद्र के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अब एक बार फिर पूरे जिले और देशवासियों की निगाहें थाईलैंड में होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहाँ सभी को उम्मीद है कि रवि सिंह एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर भारत के लिए पदक जीतेंगे और देश का मान-सम्मान बढ़ाएंगे।

व्यापार संगठन ने यातायात सम्बंधित कुछ परेशानीयो को देखते हुए पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला मुख्यालय पर सेव सम्मानजनक व्यवहार सुनिरचित किया जाय। 2 यह

ट्रैफिक पुलिस सम्बन्धित अनियमितता के सम्बन्ध में ट्रैफिक व्यवस्था का उद्देश्य जनता को सुविधा एव सुरक्षा देना है, अप का कतावरण बनाना नहीं आज व्यापारियों की यह धारणा बनती जा रही है कि ट्रैफिक पुलिस का ध्यान यातायात सुचाक कराने से अधिक चालान करने पर केन्द्रित दिखाई देता है। नियमों का पालन आवश्यक है लेकिन नियमों के साथ सम्भान बनक व्यवहार भी उतना आवश्यक है। हमाटी मोरो निम्न है। 1 यह कि व्यापारियों और आम नागरिकों के साथ शालीन कि गाड़ियों के चालान में दोहरा मापदण न अपनाया जाए।

3 यह कि दुर्व्यवहार की शिकापितों को निष्पक्ष ज्योच की जाए।यह कि ट्रैफिक कर्मियों को समय-समय पर व्यवहार-कौशल का प्रशिक्षण दिया जान।

4 यह कि चालान से पहले, जहां संभव हो, नियमों की जानकारी देकर जागरूक विषय अतः आपसे सादर अनुरोध है कि उपरोक्त मांगों को दृष्टिगत रखते हुये सकाराबद कार्यवाही सुनिश्चित करने की कृपा करें। जिला अध्यक्ष उ0 प्र0 उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र।

किसानों को खाद की सुलभ उपलब्धता के लिए डीएम ने किया खाद आवंटन,1377 मीट्रिक टन यूरिया, 1168 मीट्रिक टन डीएपी का हुआ आवंटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। खरीफ फसल की बुवाई के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के बाद जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद की 74 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1377 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। इसी तरह 71 सहकारी समितियों व इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन किया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद की 74 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों पर 1377 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। इसी तरह 71 सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन स्वीकृत किया गया है। आवंटित उर्वरकों की आपूर्ति पीसीएफ के माध्यम से संबंधित बिक्री केंद्रों तक कराई जा रही है ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति या इफको बिक्री केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें और केवल निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। किसानों से यह भी कहा गया है कि यदि कहीं कालाबाजारी, ओवररेटिंग या कृत्रिम अभाव जैसी शिकायत मिले तो इसकी सूचना तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम अथवा जिला कृषि अधिकारी कार्यालय को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके।

उद्योग बंधु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उद्योग बंधु की बैठक मुख्य मार्गो की सड़क बनने पर सारी स्टड लाइट उखड़ कर समय, धन एवं श्रम तीनों व्यर्थ होते हैं। तथा वे मानसिक रूप

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। पिछली बैठक में उठाए गये मुद्दों पर व्यापक रूप से चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि हमारा जनपद खनिज आधारित उद्योगों जैसे स्टोन, फ्लाई ऐश, अल्युमिनियम, सीमेंट आदि के साथ वैल्यू एडिशन (कच्चे माल को प्रोसेसिंग के माध्यम से अधिक मूल्यवान उत्पादन में बदलना) उद्योग स्थापित किए जाएं ।ताकि कच्चा माल बाहर भेजने के बजाय स्थानीय स्तर पर उत्पादन हो सोनभद्र से कच्चा माल बड़ी मात्रा में बाहर जा रहा है जबकि उसका मूल्य संवर्धन दूसरे जिलों या राज्यों में हो रहा है ।वैल्यू एडिशन होने से स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार सृजित होंगे ।उद्योगों का विकास होगा, उत्पाद की कीमत बढ़ेगी और अधिक लाभ होगा जिले की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। श्री शर्मा ने कहा कि नगर में भी हाल में रोड स्टड लाइट लगाई गई थी नगर के गायब हो गई यदि हर प्लानिंग में संबंधित विभागों की आपसी सहभागिता एवं सामंजस्य हो तो जनता के पैसे का अपव्यय रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की एक लघु ऋण योजना है इसके तहत रेहड़ी - पटरी ठेले लगाने वाले छोटे कारोबारीयो को बिना किसी गारंटी के तीन किस्तों में क्रमशः 10000 से 50000 रुपए तक वर्किंग कैपिटल दिया जाना था परंतु लाभार्थियों ने बताया कि बार-बार बेवजह दौड़ाया जा रहा है एवं ऋण वितरण में आनाकानी की जा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है किंतु जनपद सोनभद्र में अनेक लाभार्थियों से यह शिकायत प्राप्त हो रही है कि बैंक शाखाओं द्वारा आवेदन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक दस्तावेजों की एक मुश्त सूची उपलब्ध नहीं कराई जाती है लाभार्थियों को बार-बार अलग-अलग दस्तावेज लाने के लिए बुलाया जाता है जिससे उनका से भी परेशान होते हैं पूर्व की बैठक में इस बात की चर्चा की गई थी। इस प्रकार की लापरवाही से योजना का समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में रक्त जनित एवं जल जनित हेपेटाइटिस बी एवं सी का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है मानसून के दौरान दूषित पेयजल, जल भराव और सीवेज मिश्रित पानी के कारण हेपेटाइटिस ए और ई का खतरा बढ़ गया है नगर में आरओ पाइपलाइन बिछाई जाने के बावजूद अभी तक पानी कीआपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जा सकी एवं अभी भी कई आर ओ प्लांट खराब पड़े हुए हैं। श्री शर्मा ने जिले में लैंड पूलिंग के माध्यम से भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने की मांग हेतु ज्ञापन भी दिया बैठक में व्यापार संगठन के जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह, नगर महामंत्री जसकीरत सिंह जिला उपाध्यक्ष क्रमशः नागेंद्र मोदनवाल, विनय जायसवाल, नगर मंत्री अभिषेक आदि लोग मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तु
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

फंगस पर बेअसर हो रही दवाएं-बढ़ रहा एंटीफंगल रेजिस्टेंस, डब्लूएचओ ने जताई चिंता, बचाव के लिए सावधानियां

नयी दिल्ली। हाल ही में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्लूएचओ) ने दुनिया को एक

खामोश खतरे से आगाह किया है। यह खतरा किसी वायरस का नहीं, बल्कि फंगल इन्फेक्शन का है। डब्लूएचओ के मुताबिक, दुनिया में हर साल 30 करोड़ से ज्यादा लोगों को फंगल इन्फेक्शन होता है। इसके इलाज के लिए एंटीफंगल दवाएं दी जाती हैं। चिंता की बात यह है कि ये दवाएं धीरे-धीरे अपना असर खो रही हैं। दरअसल एंटीफंगल दवाओं का इस्तेमाल इंसानों के अलावा पशुओं और खेती में भी किया जाता है। इसकी वजह से कई फंगस इन दवाओं के प्रति रेजिस्टेंट हो रहे हैं। इसी खतरे को देखते हुए डब्लूएचओ ने फंगल इन्फेक्शन और एंटीफंगल रेजिस्टेंस से निपटने के लिए एक ग्लोबल स्ट्रेटजी जारी की है। डब्लूएचओ ने चेतावनी दी है कि अगर एंटीफंगल दवाओं का बेवजह इस्तेमाल नहीं रुका, तो भविष्य में सामान्य फंगल इन्फेक्शन का इलाज मुश्किल हो सकता है। कई मामलों में यह जानलेवा भी हो सकता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज एंटीफंगल रेजिस्टेंस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- एंटीफंगल रेजिस्टेंस क्यों बढ़ रहा है? इससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अंकित बंसल, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन एंड इन्फेक्शियस डिजीज, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फंगस क्या है? जवाब- यह सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गेनिज्म) का एक समूह है। इसमें यीस्ट, फफूंद (मोल्ड) और मशरूम शामिल हैं। फंगस हमारे आसपास लगभग हर जगह पाए जाते हैं। ज्यादातर फंगस नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन कुछ फंगस इंसानों में इन्फेक्शन और गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। सवाल- फंगल इन्फेक्शन क्या होता है? जवाब- फंगस की वजह से होने वाले इन्फेक्शन को 'फंगल इन्फेक्शन' कहते हैं। यह स्किन, नाखून, मुंह, फेफड़ों या शरीर के अन्य अंगों को प्रभावित कर सकता है। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में यह गंभीर भी हो सकता है। सवाल- फंगल इन्फेक्शन शरीर के किन अंगों में हो सकता है? इन अंगों में होता फंगल इन्फेक्शनः- जवाब- यह स्किन, स्कैल्प, नाखून, मुंह और कुछ मामलों में शरीर के इंटरनल ऑर्गन्स में भी हो सकता है। डिटेल देखिए- स्किन, नाखून, साइनस, आंखें, मुंह और गला फेफड़े ब्लडस्ट्रीम ब्रेन (दुर्लभ) प्राइवेट पार्ट्स हार्ट व अन्य इंटरनल ऑर्गन्स (दुर्लभ) सवाल- एंटीफंगल रेजिस्टेंस क्या है? जवाब- फंगल इन्फेक्शन होने पर एंटीफंगल दवाएं दी जाती हैं। लेकिन अगर ये एंटीफंगल दवाएं फंगस पर असर करना बंद कर दें या उनका असर कम हो जाए, तो इसे एंटीफंगल रेजिस्टेंस कहते हैं। इससे इन्फेक्शन का इलाज करना कठिन हो जाता है। सवाल- डब्लूएचओ एंटीफंगल रेजिस्टेंस को इतना बड़ा खतरा क्यों मान रहा है? जवाब- डब्लूएचओ का मानना है कि अगर समय रहते इस समस्या पर काबू नहीं पाया गया, तो भविष्य में सामान्य फंगल इन्फेक्शन का इलाज भी मुश्किल हो जाएगा। गंभीर मामलों में मामूली इन्फेक्शन भी जानलेवा साबित हो सकता है। सवाल- डब्लूएचओ फंगल इन्फेक्शन और एंटीफंगल रेजिस्टेंस पर ग्लोबल स्ट्रेटेजी क्यों बना रहा है? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए-इसका उद्देश्य दुनिया भर में फंगल इन्फेक्शन से निपटने के लिए एक कॉमन स्ट्रेटेजी तैयार करना है। डब्लूएचओ चाहता है कि सभी देश समय पर जांच, बेहतर इलाज और मजबूत निगरानी की व्यवस्था करें। यह स्ट्रेटेजी कहती है कि एंटीफंगल दवाओं का जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाए। सिर्फ सचमुच जरूरत होने पर ही ये दवाएं दी जाएं। हर छोटी-मोटी और अपने आप ठीक हो जाने वाली समस्याओं के लिए इसका इस्तेमाल न हो। इस

स्ट्रेटेजी से दुनिया भर के देशों को फंगल इन्फेक्शन और एंटीफंगल रेजिस्टेंस से निपटने में मदद मिलेगी। फंगल इन्फेक्शन को मामूली समस्या समझकर नजरअंदाज न करें। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीफंगल दवाएं लेने या बीच में छोड़ने से दवाओं के प्रति रेजिस्टेंस बढ़ सकता है। इसलिए सही जांच, पूरा इलाज और दवाओं का सही उपयोग करें। सवाल- एंटीफंगल रेजिस्टेंस क्यों पैदा होता है? दवाएं असर क्यों नहीं करतीं? जवाब- इसके कारण को पॉइंटर्स में समझिए-एकदम सरल भाषा में कहें तो इसका कारण है एंटीफंगल दवाओं का गलत और जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल। डॉक्टर्स मामूली समस्या होने पर भी इन दवाओं के हैवी डोज लिख देते हैं। कई बार लोग बिना प्रिस्क्रिप्शन के खुद से ही मेडिकल स्टोर से दवा खरीदकर खा लेते हैं। हमारे देश में इसे लेकर कोई कठोर कानून नहीं है कि बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा नहीं मिलेगी। एक तीसरा कारण ये है कि लोग दवा का डोज पूरा नहीं करते। जैसे ही एक-दो डोज लेने के बाद आराम मिलता है, लोग दवा खाना बंद कर देते हैं। इन सभी कारणों से शरीर के भीतर मौजूद फंगस दवाओं के प्रति इम्यून हो जाता है। दवाओं के बार-बार या गलत इस्तेमाल से कुछ फंगस खुद में बदलाव (म्यूटेशन) कर लेते हैं। समय के साथ इस फंगस पर दवाओं का असर पड़ना बंद हो जाता है और दवा लेने के बावजूद इन्फेक्शन ठीक नहीं होता। सवाल- क्या एंटीफंगल रेजिस्टेंस, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जैसी ही समस्या है? जवाब- हां, दोनों समस्याएं मिलती-जुलती हैं। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस में बैक्टीरिया पर दवाएं असर नहीं करतीं, जबकि एंटीफंगल रेजिस्टेंस में फंगस पर एंटीफंगल दवाओं का असर कम या खत्म हो जाता है। दोनों ही स्थितियों में संक्रमण का इलाज कठिन हो जाता है। सवाल- भारत में सबसे ज्यादा कौन-से फंगल इन्फेक्शन देखे जाते हैं? जवाब- भारत में स्किन और नाखून के फंगल इन्फेक्शन सबसे कॉमन हैं। हालांकि कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में इंटरनल ऑर्गन्स में भी गंभीर फंगल इन्फेक्शन हो सकते हैं। सवाल- किन लोगों में फंगल इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- फंगल इन्फेक्शन किसी को भी हो सकता है। लेकिन जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है या जिन्हें पहले से गंभीर बीमारियां होती हैं, उनमें रिस्क ज्यादा होता है। जो डायबिटिक हैं। जो कीमोथेरेपी ले रहे हैं। जिन्हें एचआईवी/एड्स है। जिनका ऑर्गन ट्रांसप्लांट हुआ है। जो लॉन्ग टर्म स्टेरॉयड लेते हैं।जिन्हें टीबी / फेफड़ों की बीमारी है। जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। नवजात शिशु और बुजुर्ग। सवाल- क्या एक स्वस्थ व्यक्ति को भी गंभीर फंगल इन्फेक्शन हो सकता है? जवाब- हां, स्वस्थ व्यक्ति भी गंभीर संक्रमण का शिकार हो सकता है, लेकिन कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में यह रिस्क ज्यादा होता है। सवाल- कौन से फंगल इन्फेक्शन जानलेवा हो सकते हैं? जवाब- फेफड़ों, ब्लडस्ट्रीम और ब्रेन तक फैलने वाले फंगल इन्फेक्शन जानलेवा हो सकते हैं। इनमें म्यूकरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस), इनवेसिव एस्परजिलोसिस, इनवेसिव कैंडिडायसिस और क्रिप्टोकोकल इन्फेक्शन शामिल हैं। सवाल- कौन से लक्षण गंभीर फंगल इन्फेक्शन का संकेत हो सकते हैं? जवाब- अगर फंगल इन्फेक्शन शरीर के इंटरनल ऑर्गन्स तक पहुंच जाए तो इसके लक्षण गंभीर हो सकते हैं। गंभीर फंगल इन्फेक्शन के वॉर्निंग साइनः-बुखार (दवा से ठीक न हो) खांसी/खून वाली खांसी, आंखों में दर्द, लालिमा, सूजन, धुंधलापन, सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, लगातार सिरदर्द या बेहोशी स्किन पर काले धब्बे/घाव। सवाल- फंगल इन्फेक्शन की पहचान (डायग्नोसिस) कैसे की जाती है? जवाब- सबसे पहले डॉक्टर लक्षणों और प्रभावित हिस्से को जांचते हैं। जरूरत पड़ने पर स्किन, नाखून, बलगम या अन्य सैंपल के लैब टेस्ट (जैसे माइक्रोस्कोपी, कल्चर या अन्य टेस्ट) से फंगल इन्फेक्शन की पुष्टि की जाती है। सवाल- फंगल इन्फेक्शन का इलाज क्या है? जवाब- इसका इलाज इन्फेक्शन की गंभीरता पर निर्भर करता है। हल्के संक्रमण में एंटीफंगल क्रीम दी जाती है। जबकि गंभीर मामलों में एंटीफंगल टैबलेट या इंजेक्शन की जरूरत पड़ सकती है। सवाल- फंगल इन्फेक्शन से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- फंगल इन्फेक्शन से बचाव के लिए दी गई कुछ बातों का खास ख्याल रखें-साफ-सूती कपड़े पहनें। नहाकर शरीर अच्छी तरह पोंछें। गीले कपड़े पहनकर न रहें। पब्लिक टॉयलेट में सावधानी बरतें। ब्लड शुगर हमेशा कंट्रोल में रखें। दवा का कोर्स पूरा करें। स्किन को साफ-सूखा रखें। पसीने वाले कपड़े तुरंत बदलें। तौलिया, जूते और कपड़े शेयर न करें। स्विमिंग पूल में सावधानी बरतें। एंटीफंगल दवाएं खुद सेन लें। लक्षण दिखते ही डॉक्टर से मिलें। सवाल- एंटीफंगल रेजिस्टेंस से बचने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब-एंटीफंगल रेजिस्टेंस से कैसे बचें? डॉक्टर की 10 सलाहः-डॉक्टर की सलाह से ही दवा लें। अच्छे, अनुभवी डॉक्टर को दिखाएं। झोलाछाप डॉक्टर के पास न जाएं। आराम मिलते ही दवा बंद न करें। हमेशा दवा का कोर्स पूरा करें। स्टेरॉयड क्रीम बिना सलाह के न लगाएं। बार-बार खुद से दवा न बदलें। डायबिटीज को कंट्रोल में रखें। इम्यूनिटी बढ़ाएं, हेल्दी रहें। हाइजीन का ख्याल रखें। फंगल इन्फेक्शन से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या हर फंगस नुकसान पहुंचाता है? जवाब- नहीं, ज्यादातर फंगस नुकसान नहीं पहुंचाते। कई फंगस नेचर और फूड प्रोडक्शन के लिए उपयोगी होते हैं। केवल कुछ फंगस ही इंसानों में संक्रमण और बीमारी का कारण बनते हैं। सवाल- दाद, खुजली और फंगल इन्फेक्शन में क्या अंतर है? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए- फंगल इन्फेक्शन फंगस की वजह से होने वाला संक्रमण है। दाद इसका एक कॉमन टाइप है। दाद में स्किन पर गोल या छल्ले जैसे लाल चकत्ते बनते हैं। इनमें खुजली भी हो सकती है। खुजली कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक लक्षण है। यह फंगल इन्फेक्शन के अलावा एलर्जी, एक्जिमा, स्केबीज या स्किन की दूसरी समस्याओं में भी हो सकती है। यानी हर खुजली फंगल इन्फेक्शन नहीं होती। सवाल- बार-बार होने वाला फंगल इन्फेक्शन किस बात का संकेत है? जवाब- ये कमजोर इम्यूनिटी, अनकंट्रोल्ड डायबिटीज, दवा का अधूरा कोर्स या दोबारा संक्रमण का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। सवाल- क्या परिवार के एक सदस्य को फंगल इन्फेक्शन हो तो बाकी लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- हां, कुछ फंगल इन्फेक्शन एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकते हैं। इसलिए तौलिया, कपड़े, कंघी और अन्य निजी सामान शेयर न करें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति का समय पर इलाज कराएं।

भारत को कॉमनवेल्थ में दूसरा गोल्ड, हाई जंप में सिल्वर जीतने वाले सर्वेश कुशारे पहले भारतीय,शर्मिला धनखड़ ने शॉट पुट में मेडल जीता

ग्लासगो। भारत की शर्मिला धनकड़ ने सोमवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के पैरा शॉट पुट एफ57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर यह उपलब्धि हासिल की। इसी इवेंट में भारत की शिल्पा के. शायला ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। शर्मिला से पहले रविवार को वेटलिफ्टिंग में मीरा बाई चानू ने 48किग्रा में गोल्ड जीता था। एफ57 कैटेगरी में उन पैरा एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं या जिनकी मांसपेशियों की ताकत कम होती है। भारत के मेडल टैली में कुल 10 मेडल हो गए हैं और टीम आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 26 गोल्ड सहित 59 मेडल के साथ पहले स्थान पर है। अन्य इवेंट्स में हाई जंप में सर्वेश कुशारे और वेटलिफ्टिंग के 79 किलोग्राम वर्ग में अजय बाबू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं, बिंदियारानी देवी ने 58 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, जबकि ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। शर्मिला धनखड़ ने घर बेचकर शुरू की ट्रेनिंग-शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के चित्रौली गांव की रहने वाली हैं। 2 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हो गई थीं, जिससे उनका एक पैर प्रभावित हो गया। पिता छोटे किसान थे और मां दृष्टिबाधित हैं। बेहतर इलाज नहीं हो सका। आर्थिक तंगी के बीच कम उम्र में उनकी शादी कर दी गई। शर्मिला के लिए पैरा एथलेटिक्स का सफर आसान नहीं था। 34 साल की उम्र में उन्होंने कोच टेकचंद और देवेंद्र के मार्गदर्शन में एफ57 कैटेगरी के सीटेड शॉट पुट इवेंट की ट्रेनिंग शुरू की। आर्थिक तंगी इतनी थी कि 2023 में ट्रेनिंग का खर्च जुटाने के लिए उन्होंने अपना घर बेच दिया। इसके बाद परिवार किराए के मकान में रहने लगा, लेकिन शर्मिला ने अभ्यास नहीं छोड़ा। दूसरी शादी के बाद मिली नई राह- 26 साल की उम्र में पति ने उन्हें घर से निकाल दिया। तब तक उनकी दो बेटियां हो चुकी थीं। वह दोनों बेटियों को लेकर मायके लौट आईं। 28 साल की उम्र में उन्होंने अजीत से दूसरी शादी की। अखबार में पैरा एथलीट्स की खबर पढ़ने के बाद अजीत ने उन्हें पैरा

एथलेटिक्स में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया और हर कदम पर उनका साथ दिया। शिल्पा शायला को नाटकीय घटनाक्रम के बाद मिला ब्रॉन्ज-शिल्पा शायला ने महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। हालांकि, उनका पदक नाटकीय घटनाक्रम के बाद पक्का हुआ। शिल्पा ने 7.26 मीटर का थ्रो कर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, लेकिन शुरुआती नतीजों में वह चौथे स्थान पर थीं। नाइजीरिया की यूचेरिया इयियाजी को ब्रॉन्ज मेडल दिया गया था। भारत की आपत्ति के बाद अधिकारियों ने नाइजीरियाई खिलाड़ी के थ्रो की समीक्षा की। जांच में उनके एकमात्र वैध थ्रो को फाउल करार दिया गया। इसके बाद संशोधित नतीजों में शिल्पा को चौथे से तीसरे स्थान पर पहुंचाते हुए ब्रॉन्ज मेडल दे दिया गया। मेडल मिलने के बाद शिल्पा भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने साथी खिलाड़ी शर्मिला धनखड़ के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाया। हालांकि, नाइजीरिया इस फैसले के खिलाफ आधिकारिक आपत्ति दर्ज करा सकता है। यदि आपत्ति स्वीकार होती है, तो पदक तालिका में बदलाव भी संभव है। सर्वेश कुशारे ने सिल्वर जीता, 2.25 मीटर की जंप लगाई-भारत के सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स के पुरुष हाई जंप फाइनल में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 2.25 मीटर की जंप लगाई, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने की तीनों कोशिशें नाकाम रहीं। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने काउंटबैक के आधार पर गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की जंप के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। डायमंड लीग में भी ब्रॉन्ज जीता था-कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भी सर्वेश शानदार फॉर्म में थे। इसी महीने मोनाको डायमंड लीग में उन्होंने 2.26 मीटर की जंप लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके साथ ही वह डायमंड लीग में पोडियम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हाई जंपर बने। वह नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और विकास गौड़ा के बाद डायमंड लीग में टॉप-3 में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय एथलीट भी हैं। पिछले महीने भुवनेश्वर में हुई नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 2.31 मीटर की जंप

लगाकर तेजस्विन शंकर का आठ साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। वह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पुरुष हाई जंप फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय भी हैं। मकई के छिलकों और कपास से बनाई लैंडिंग पिट, वहीं से शुरू हुआ सफर-महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवगांव के रहने वाले सर्वेश कुशारे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता प्याज की खेती करते थे। बचपन में उन्होंने खेत में ही मकई के छिलकों, कपास और खेती के दूसरे अवशेषों से अस्थायी लैंडिंग पिट तैयार किया, ताकि सर्वेश अभ्यास कर सकें। सीमित संसाधनों के बावजूद सर्वेश ने मेहनत जारी रखी और अब उसी संघर्ष का इनाम कॉमनवेल्थ गेम्स के सिल्वर मेडल के रूप में मिला।

अजय बाबू सिर्फ 1 किलो से गोल्ड मेडल चूके-अजय बाबू वल्लुरी ने पुरुष 79 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। आंध्र प्रदेश के इस युवा वेटलिफ्टर ने कुल 330 किलोग्राम (149 प्लस 181) वजन उठाया और गोल्ड से महज 1 किलोग्राम पीछे रह गए। मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने 331 किलोग्राम के गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता, जबकि इंग्लैंड के क्रिस मरे 325 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीत सके। स्नैच में रिकॉर्ड, क्लीन एंड जर्क में पलटा मुकाबला-अजय ने स्नैच में 149 किलोग्राम वजन उठाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और इस राउंड के बाद पहले स्थान पर रहे। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 181 किलोग्राम वजन उठाकर रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली, लेकिन हिदायत ने आखिरी प्रयास में 184 किलोग्राम वजन उठाकर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया और कुल 331 किलोग्राम के साथ गोल्ड अपने नाम कर लिया। अजय को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। कॉमनवेल्थ चैंपियन से कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल विजेता तक-आंध्र प्रदेश के विजयनगरम के रहने वाले अजय

बाबू ने 2025 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में 335 किलोग्राम (152 प्लस 183) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। अब उन्होंने गेम्स में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी लगातार प्रगति को बरकरार रखा। बिंदियारानी देवी ने कुल 199किग्रा वेट उठाकर ब्रॉन्ज जीता-नाइजीरिया की रफियातु फोलाशाडे लावल ने 229किग्रा (103 प्लस 126) वजन उठाकर गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता। कनाडा की एन सोफी टाशेरो ने 215किग्रा (94 प्लस 121) वजन उठाकर सिल्वर अपने नाम किया। बिंदियारानी ने स्नैच में 83, 85 और 87किग्रा वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में उनका पहला 110किग्रा का प्रयास फेल रहा। उन्होंने दूसरे प्रयास में 112किग्रा उठाया। हालांकि तीसरे प्रयास में 116किग्रा नहीं उठा सकीं। यह 27 साल की बिंदियारानी का लगातार दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल है। उन्होंने बर्मिंघम 2022 में सिल्वर जीता था। ताइक्वांडो गेम से शुरुआत की-इम्फाल की रहने वाली बिंदियारानी ने खेल करियर की शुरुआत ताइक्वांडो से की थी। 2008 से 2012 तक ताइक्वांडो में उन्होंने भारत को रिप्रेजेंट किया। हालांकि छोटी हाईट और मजबूत कद-काठी की वजह से कई कोच ने उन्हें वेटलिफ्टिंग की सलाह दी। 2013 में उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की। जल्द ही स्पोर्ट्स अथॉरिटी इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (इम्फाल) में उनका सिलेक्शन हुआ। यहां से उन्होंने कई मेडल अपने नाम किए।

ज्ञानेश्वरी को सिल्वर-सोमवार को ज्ञानेश्वरी यादव ने महिला 53किग्रा वर्ग में 199किग्रा (88 प्लस 111) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। उन्होंने स्नैच में 88किग्रा उठाकर गेम्स रिकॉर्ड भी बनाया। हालांकि, नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला डिडीह ने 206किग्रा (93 प्लस 113) वजन उठाकर गोल्ड अपने नाम किया। ज्ञानेश्वरी के पिता बॉडीबिल्डर, आर्थिक तंगी में छोड़ना पड़ा खेल-छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की रहने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कम उम्र में ही वेटलिफ्टिंग की शुरुआत कर दी थी। उनके पिता बॉडीबिल्डर थे, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उन्हें अपना खेल छोड़कर इलेक्ट्रीशियन का काम करना पड़ा। पिता के साथ ट्रेनिंग करते हुए ज्ञानेश्वरी ने जूनियर स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया और नेशनल टीम में जगह बनाई। 2026 एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने स्नैच में सिल्वर और कुल प्रदर्शन में ब्रॉन्ज मेडल जीता। वेटलिफ्टिंग में भारत के 6 मेडल, मणिपुर के खिलाड़ियों के 3- अजय बाबू का सिल्वर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारत का छठा मेडल है। इससे पहले मीराबाई चानू ने गोल्ड, ऋषिकांत सिंह, ज्ञानेश्वरी यादव और राजा मुथुपांडी ने सिल्वर, जबकि बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वहीं, पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत का खाता खोला था। मणिपुर के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी शानदार रहा। राज्य के मीराबाई चानू, ऋषिकांत सिंह और बिंदियारानी देवी भारत के लिए मेडल जीत चुके हैं। यानी अब तक वेटलिफ्टिंग में भारत के 6 में से 3 मेडल अकेले मणिपुर के खिलाड़ियों ने दिलाए हैं। तेजस शिरसे पुरुषों के 110 मीटर हर्डल्स के फाइनल में आठवें स्थान पर रहे- तेजस शिरसे पुरुषों के 110 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में 15.39 सेकेंड का समय लेकर आठवें स्थान पर रहे। इस रेस के दौरान वे चोट से जूझते हुए दिखाई दिए। पैरा एथलेटिक्सः राकेशभाई भट्ट और श्रेयांश त्रिवेदी पांचवें और छठे स्थान पर रहे भारत के राकेशभाई भट्ट पुरुषों के 100 मीटर टी38 फाइनल में 11.82 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि श्रेयांश त्रिवेदी 12.22 सेकेंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहे। टी38 पैरा-एथलेटिक्स का एक क्लासिफिकेशन है, जो ऐसे ट्रैक एथलीटों के लिए है जिन्हें चलने-फिरने और दौड़ने में हल्की-फुल्की तालमेल की समस्या होती है।

स्वीमिंग में आर्यन सातवें, साजन आठवें स्थान पर रहे- भारत के आर्यन नेहरा पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 8:07.26 मिनट का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे। वहीं, साजन प्रकाश पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई के फाइनल में 1:58.05 मिनट के समय के साथ आठवें स्थान पर रहे। वह गोल्ड मेडल जीतने वाले न्यूजीलैंड के लुईस क्लेयरबर्ट से तीन सेकेंड पीछे रहे। सचिन और अंकुश बॉक्सिंग क्वार्टर फाइनल में-भारतीय बॉक्सर सचिन सिवाच ने मेंस 60किग्रा के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में इंग्लैंड के विलियम हेविट को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी से होगा। वहीं अंकुश ने 80किग्रा में एंटीगुआ और बारबुडा के जलान जान को 5-0 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

स्मार्ट बोर्ड शिक्षण संस्थानों में ब्लैक बोर्ड जैसे क्यों बनते जा रहे हैं?

हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां नॉलेज महज एक क्लिक पर उपलब्ध हो सकता है। कोई इंस्पायर्ड टीचर दुनिया के ऐसे बेहतरीन आइडिया, वीडियो और इलस्ट्रेशन तत्काल क्लासरूम में दिखा सकता है, जिन पर स्टूडेंट

अचम्भित रह जाएं। इसीलिए यह हैरत की बात नहीं कि बीते एक दशक में शैक्षणिक संस्थानों- अधिकतर निजी स्कूलों और अब सरकारी स्कूलों ने स्मार्ट बोर्ड पर भारी निवेश किया है। तकनीक से उम्मीद थी कि यह टीचिंग को बदल देगी। ब्लैकबोर्ड पर लिखने में कीमती समय खपाने के बजाय टीचर सिर्फ अगली स्लाइड पर स्वाइप करके एनिमेशन या वीडियो दिखा सकेंगे और पूरी कक्षा को इंगेज रखेंगे। इससे अनुशासन भी बेहतर हुआ। चूंकि टीचर को बार-बार बोर्ड पर लिखने के लिए पीठ नहीं करनी पड़ती, इसलिए शरारती स्टूडेंट्स को भी डिस्ट्रैक्ट करने के कम मौके मिलते हैं। कुछ साल पहले मेरे द्वारा किए गए एक छोटे सर्वे में शिक्षकों ने बताया कि स्मार्ट बोर्ड से 50-60 मिनट की क्लास में 11 से 15 मिनट तक बच जाते हैं। स्कूलों को लगा कि अब क्लास में पूरा समय राइटिंग के बजाय टीचिंग में लगेगा। लेकिन दुर्भाग्य से यह उम्मीद अकसर एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट तक सीमित रहती है। गोवा का उदाहरण लें। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडाइस) रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार गोवा उन चुनिंदा राज्यों और दिल्ली व चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल है, जहां कथित तौर पर सभी 1473 स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट कहती हैं कि कई स्कूलों में टीचर स्मार्ट बोर्ड को सामान्य ब्लैकबोर्ड की तरह इस्तेमाल करने को मजबूर हैं, क्योंकि इंटरनेट कनेक्टिविटी गैर-भरोसेमंद है या अनुपलब्ध होती है।टीचर कहते हैं कि सरकार तकनीक आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही है, लेकिन अन-रिलायबल इंटरनेट और बार-बार बिजली जाने की वजह से वे बेबस हो जाते हैं। स्मार्ट बोर्ड वाली कक्षाएं उन्हीं घंटों में रखनी पड़ती हैं, जब बिजली और इंटरनेट उपलब्ध हों। मानसून में परेशानी और बढ़ जाती है। नतीजतन एजुकेशनल वीडियो और इंटरेक्टिव कंटेंट दिखा पाना नामुमकिन होता है, जबकि इसी पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में जोर दिया गया है। हालांकि इन्फ्रास्ट्रक्चर तो समस्या का महज एक हिस्सा है। कई स्कूल-कॉलेजों की विजिट में मैंने एक और चुनौती देखी। बहुत-से शिक्षक स्मार्ट बोर्ड के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ट्रेंड नहीं हैं। मसलन, कुछ शिक्षक पूरे पावरपॉइंट प्रजेंटेशन से ही बाहर हो जाते हैं, ताकि खाली व्हाइट स्क्रीन पर कुछ पॉइंट लिख सकें। उन्हें पता ही नहीं कि वे सीधे प्रजेंटेशन पर ही अपनी टिप्पणी जोड़ सकते हैं। आधुनिक स्मार्ट बोर्डों में डिजिटल एनोटेशन, इंटरेक्टिव क्विज, लाइव वेब एक्सेस और इंस्टैंट कंटेंट शेयरिंग जैसे सैकड़ों फीचर होते हैं। लेकिन कई शिक्षक उनका उपयोग वैसे ही करते हैं, जैसे ब्लैकबोर्ड का किया करते थे। नतीजतन, एक महंगा डिजिटल क्लासरूम महज एक इलेक्ट्रॉनिक राइटिंग सर्फेस जैसा बनकर रह जाता है। शिक्षा सिर्फ तकनीक से ही बेहतर नहीं बनती। इसके लिए भरोसेमंद इन्फ्रास्ट्रक्चर, लगातार टीचर ट्रेनिंग और नए टीचिंग मैथड अपनाने की मंशा भी जरूरी है। वरना सर्वाधिक स्मार्ट बोर्ड भी ब्लैकबोर्ड बनकर रह जाएगा। यह देखकर भी दुख होता है कि कई टीचर स्मार्ट बोर्ड पर लिखने के लिए स्टाइलस की जगह बॉल पेन का ढक्कन इस्तेमाल करते हैं। महंगी एक्सेसरीज के साथ टीचर्स का ऐसा लापरवाही भरा रवैया परोक्ष तौर पर बच्चों को घर में पैरेंट्स द्वारा लाए गए उपकरणों के प्रति भी नकारात्मक व्यवहार अपनाने को प्रेरित करता है। टीचर्स को याद रखना चाहिए कि संस्थान द्वारा मुहैया कराए गए इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रति उनका सम्मान और बॉडी लैंग्वेज ही बच्चों को भी यह सिखाती है कि सरकारी सम्पत्ति का सम्मान कैसे करें। फंडा यह है कि स्मार्ट बोर्ड खरीदना और इन्स्टॉल करना तो पहला कदम है। जब तक संस्थान भरोसेमंद इंटरनेट, निर्बाध बिजली और नियमित टीचर ट्रेनिंग सुनिश्चित नहीं करेंगे, तब तक ये महंगे उपकरण वो इंगेजिंग, टाइम-सेविंग और विजुअली रिच लर्निंग एक्सपीरियंस नहीं दे पाएंगे, जिसके लिए इन्हें बनाया गया है। एन. रघुरामन

कॉकरोच आंदोलन से राजनीति में नए समीकरण उभर आए हैं

कॉकरोच आंदोलन का आगामी चुनावों या भारतीय राजनीति पर क्या असर पड़ेगा, इसका आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन जेन-जी ने सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है। साथ ही, इस आंदोलन ने विपक्ष में भी नई

ऊर्जा का संचार किया है। सरकार ने भी संसद के मानसून सत्र में परिसीमन विधेयक लाने की अपनी योजना पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। जबकि माना जा रहा था कि एनडीए संसद में इसे पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत के करीब पहुंच चुका है। डीएमके और एनसीपी (एसपी) भी विधेयक का समर्थन करने के विकल्प खुले रखे हुए प्रतीत हो रहे थे। लेकिन अब उनका रुख पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित दिखाई दे रहा है। बंगाल में बड़ी सफलता और कई क्षेत्रीय दलों में टूट के चलते जो परिदृश्य भाजपा के पक्ष में जाता दिखाई दे रहा था, उसमें अब कॉकरोच आंदोलन के बाद नया मोड़ आता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 20 जुलाई को मध्य दिल्ली में तैनात रैपिड एक्शन फोर्स की निदेशक ने अपनी आंतरिक रिपोर्ट में स्वीकारा है कि जिस दिन सीजेपी समर्थकों ने संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की थी और उन पर लाठीचार्ज तथा हिंसा हुई थी, उस दिन अत्यधिक बलप्रयोग किया गया और पुलिस की कार्रवाई में गम्भीर कमियां थीं। शीर्ष अदालत ने भी टिप्पणी की कि किसी प्रदर्शन से निपटने के लिए लाठीचार्ज उचित नहीं ठहराया जा सकता। छात्रों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता ने इस मुद्दे को देश के लगभग हर मध्यम-वर्गीय परिवार तक पहुंचा दिया। शहरी मध्यम-वर्ग लंबे समय से भाजपा के प्रमुख समर्थन आधार के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन परीक्षा एवं शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग

उनके परिवारों का भी भावनात्मक मुद्दा बन गई है। अचानक मध्यम-वर्गीय माता-पिता अपनी जेन-जी संतानों पर गर्व महसूस करने लगे हैं। उन्हें लग रहा है कि उनके बच्चों ने अपेक्षा से अधिक साहस, संवेदनशीलता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए भी शिक्षा गरीबी से निकलने का सबसे बड़ा माध्यम मानी जाती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमटने के बाद मुश्किल में दिखी थी, लेकिन तब इसकी वजह यूपी में पार्टी के भीतर का टकराव और संघ का चुनावों में सक्रिय प्रचार नहीं करना माना गया था। लेकिन इस बार पार्टी धारणा की लड़ाई लड़ रही है। अब बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि भाजपा, सीजेपी नेतृत्व से किए वादों को कितनी ईमानदारी से पूरा करती है।उतना ही महत्वपूर्ण यह भी होगा कि क्या वह देश की शिक्षा-व्यवस्था में प्रभावी सुधार लागू करती है। भाजपा परिस्थितियों के अनुसार जल्दी रणनीति बदलने वाली पार्टी है। प्रधानमंत्री ने नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में विशेष टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है। साथ ही, नीट में धांधली करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान करने वाला कानून इसी सप्ताह लाने की योजना भी बनाई जा रही है। 30 से कम आयु की लगभग आधी आबादी वाले भारत में जेन-जी को साधने के लिए अब पार्टी हरसंभव प्रयास करती दिखाई दे रही है। उसने सीजेपी की लगभग सभी मांगें स्वीकार कर लीं। हालांकि यह लेख लिखे जाने तक पटना और कुछ अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गई थीं। ये और बात है कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के एक वर्ग को रास नहीं आया है। इससे पार्टी के मध्यम-वर्गीय समर्थन आधार में भी असंतोष पैदा हुआ है, जो भाजपा के लिए चिंता का विषय हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ कांग्रेस को मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। उसने अपने पत्ते भी सही खेले।

राहुल गांधी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मिलने नहीं गए। इससे आंदोलन की विश्वसनीयता बनी रही और उसे किसी राजनीतिक दल का मुखौटा नहीं माना गया। लेकिन जब छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ, तब राहुल, प्रियंका और अन्य कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना दिया।

कांग्रेस ने प्रधान के इस्तीफे का श्रेय लेने की कोशिश भी नहीं की। इसके बजाय उसने इस उपलब्धि का श्रेय छात्रों को देते हुए उनकी सराहना की। ऐसा लगा कि सीजेपी का आंदोलन खत्म होने के बाद कांग्रेस ने उसकी मशाल थाम ली है। सीजेपी की ही तरह एक 'ई-20 जनता पार्टी' का गठन बदलते परिदृश्य का संकेत देता है। छात्रों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता ने सीजेपी के आंदोलन को देश के लगभग हर मध्यम-वर्गीय परिवार तक पहुंचा दिया। जबकि शहरी मध्यम-वर्ग लंबे समय से भाजपा के प्रमुख समर्थन आधार के रूप में देखा जाता रहा है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरजा चौधरी)

चंद भाषाओं में प्रशिक्षित एआई सबके लिए कैसे कारगर होगा?

एआई के सुरक्षागत और सैन्य जोखिमों के बारे में तो बहुत कुछ कहा जा चुका है। लेकिन गिनी-चुनी भाषाओं में प्रशिक्षित

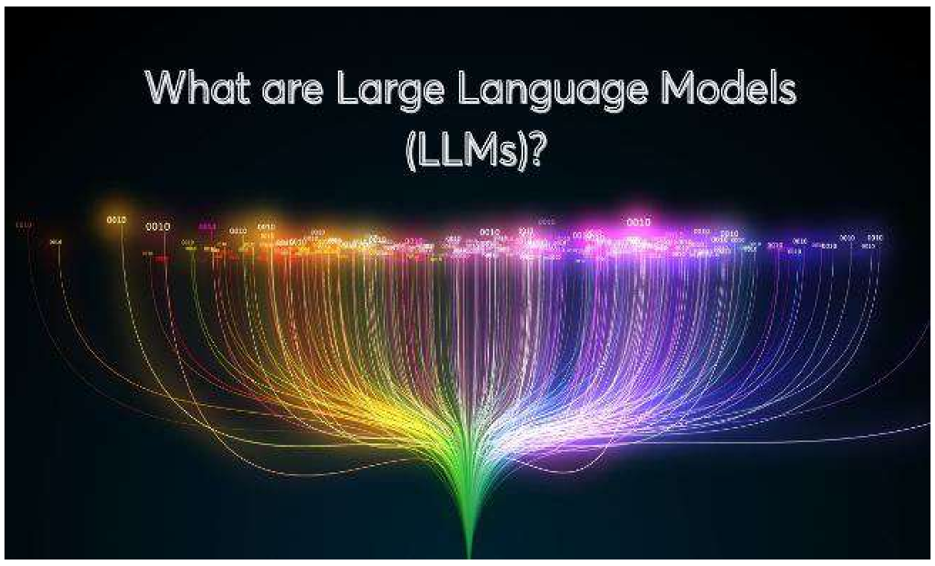

और चंद बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्वामित्व वाले लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम) द्वारा उत्पन्न सांस्कृतिक और आर्थिक खतरों को काफी हद तक अनदेखा किया गया है। इन एलएलएम का बाजार में प्रभुत्व हाशिये की भाषाओं वाले विकासशील देशों को काफी नुकसान में डाल देता है। जब से ओपनएआई ने नवम्बर 2022 में चैटजीपीटी जारी किया है, इंडस्ट्री-लीडर्स और नीति-निर्माताओं ने उत्पादकता में वृद्धि की एआई की क्षमताओं की प्रशंसा की है। लेकिन इसके लाभ सब तक समान रूप से नहीं पहुंचते हैं। कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएं इन एआई सिस्टम्स तक उनके भाषा संबंधी पूर्वग्रहों के कारण नहीं पहुंच पाती हैं। अधिकांश एलएलएम को दुनिया में बोली जाने वाली 7,000 से अधिक भाषाओं में से केवल लगभग 100 पर ही प्रशिक्षित किया जाता है, और इसमें इस्तेमाल होने वाले लगभग सभी डेटा का स्रोत अंग्रेजी सहित चीनी, स्पैनिश, फ्रेंच और जर्मन ही हैं। लेकिन दुनिया में केवल 40 करोड़ लोग ही मूलतः अंग्रेजीभाषी हैं और वैश्विक आबादी का केवल 25फीसदी हिस्सा ही उपरोक्त 'बिग फाइव' में से किसी एक को अपनी पहली भाषा के रूप में बोलता है। यह असंतुलन अल्पकाल में भले ही महज सांस्कृतिक और आर्थिक अलगाव का कारण बनता हो, लेकिन दीर्घकाल में यह कई देशों के विकास को बाधित कर सकता है तथा भाषाई विविधता को कम कर सकता है।एक विडम्बना यह भी है कि अमीर देशों ने जिस तेजी से एआई को अपनाया है, उसने विकासशील देशों के यूजर्स के लिए इंटरनेट तक पहुंचना और डिजिटल उपकरणों से लाभान्वित होना कठिन बना दिया है। एआई-संचालित चिप की मांग ने स्मार्टफोन की लागत भी बढ़ा दी है, जिससे वे लाखों लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं। एलएलएम को स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों को बेहतर ढंग से दर्शाना चाहिए। नहीं तो समुदायों के सामने अपनी अनूठी शब्दावलियों को खोने का खतरा होगा। ये शब्दावलियां ऐतिहासिक घटनाओं, बड़े पैमाने पर माइग्रेशन और राजनीतिक विरासतों से गढ़ी गई हैं। एआई सिस्टम्स में भाषाई विविधता की कमी उनके एडॉप्शन की गति को भी धीमा कर देगी। पेरू में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को उपभोक्ताओं के लिए प्रासंगिक होने के लिए आम बोलचाल की भाषा में संवाद करना होगा। वियतनाम में ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा को अच्छा इलाज करने के लिए उस स्पष्टता की आवश्यकता होगी, जो केवल स्थानीय भाषा का एक मॉडल ही प्रदान कर सकता है। मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर (एमएनओ) अपने डेवलपर्स की बड़ी संख्या और डेटा-प्रोसेसिंग क्षमताओं के कारण स्थानीय भाषा मॉडल बनाने के लिए एक अनूठी स्थिति में हैं। वे लाइसेंस प्राप्त और विश्वसनीय सरकारी भागीदार भी हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हाशिये की भाषाओं के लिए एलएलएम बनाने में एक प्रमुख बाधा प्रशिक्षण-डेटा की कमी है। इसका समाधान सरकारों के पास मौजूद विशाल मात्रा के डेटा में निहित है, जो आमतौर पर संवेदनशील और गोपनीय होता है। उदाहरण के लिए, यूक्रेन के सबसे बड़े एमएनओ कीवस्टार ने वहां का पहला राष्ट्रीय एलएलएम विकसित करने के लिए डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय के साथ एक साझेदारी बनाई, जिसे यूक्रेनी के साथ-साथ वहां बोली जाने वाली अन्य भाषाओं- रूसी, बल्गेरियाई और क्रीमियन तातार के लिए अनुकूलित किया गया था। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन- जिसका मैं महानिदेशक हूं- अफ्रीकी एआई भाषा मॉडल परियोजना के जरिये नाइजीरिया, मेडागास्कर, टोगो और कांगो गणराज्य सहित सब-सहारन अफ्रीका के अधिकांश हिस्सों में इसी तरह की रणनीति अपना रही है।

यह पहल महाद्वीप के छह एमएनओ- एयरटेल, एक्सियन टेलीकॉम, एथियो टेलीकॉम, एमटीएन, ऑरेंज, वोडाकॉम और अन्य टेलीकॉम कंपनियों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के व्यक्तियों, शिक्षाविदों और सिविल सोसायटी समूहों को अफ्रीकी भाषाओं के लिए एलएलएम बनाने के लिए एक साथ ला रही है। हमें एआई के उपयोगों को लेकर व्यापक दृष्टि रखनी होगी। दुनिया अब एजेंटिक एआई की ओर बढ़ रही है।

बैंकिंग, हेल्थकेयर, शिक्षा सम्बंधी डिजिटल सेवाएं यूजर्स की सहायता के लिए तेजी से एआई को अपना रही हैं।

ऐसे में भाषा के आधार पर कोई देश इनमें पिछड़ जाएं तो ये बहुत गलत होगा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट) विवेक बद्रीनाथ।

युद्धों को शुरू करना आसान है, लेकिन खत्म करना मुश्किल

संघर्षों की शब्दावली अब काफी बदल गई है। रणनीतिक विमर्श में हाइब्रिड, अन-रेस्ट्रिक्टेड और कॉग्निटिव वारफेयर जैसे शब्द खूब चलन में हैं। फिर भी,

'ग्रे जोन' की व्याख्या अकसर बहुत सीमित मायनों में की जाती है, यानी पारंपरिक युद्ध की सीमा से नीचे होने वाली गतिविधियां- जैसे साइबर घुसपैठ, प्रॉक्सी संघर्ष, आर्थिक दबाव या दुष्प्रचार के अभियान। लेकिन हालिया संघर्ष एक गहरे बदलाव को दिखाते हैं। अब आधुनिक युद्ध लगातार बने रहने वाली 'ग्रे जोन' परिस्थितियों में लड़े जा रहे हैं- ऐसा रणनीतिक वातावरण, जिसकी खासियत अस्पष्टता, नियंत्रित तनाव वृद्धि, राजनीतिक संयम, तकनीकी असमानता और नैरेटिव की प्रतिस्पर्धा हैं। इसमें ग्रे जोन ऑपरेशन तो महज औजार हैं, जबकि ग्रे जोन परिस्थितियां वो व्यापक रणनीतिक वातावरण बनाती हैं, जिनमें हालिया संघर्ष घट रहे हैं। 21वीं सदी के वारफेयर को इसी अंतर से समझा जा सकता है। पारंपरिक संघर्ष स्पष्टतः दो चीजों पर आधारित होते थे- शांति या युद्ध, जीत या हार। यह धारणा अब समाप्त होती जा रही है। आधुनिक युद्ध शायद ही कभी पूरी जीत तक पहुंचते हैं। इसके बजाय, देश या दूसरे नॉन-स्टेट समूह संघर्ष में स्थितिजन्य लाभ, रणनीतिक बढ़त और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। साथ ही वे उस सीमा को पार करने से भी बचते हैं, जहां हालात को राजनीतिक रूप से संभालना कठिन हो। ईरान युद्ध में आज यही दिख रहा है। ये अस्पष्टता संघर्ष की कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सोचा-समझा रणनीतिक हथियार बन चुकी है। इस बदलाव के लिए कई संरचनात्मक फैक्टर्स उत्तरदायी हैं। परमाणु हथियारों के कारण बड़ी ताकतें सावधानी बरतती हैं। परस्पर आर्थिक निर्भरता लंबे संघर्षों की कीमत बहुत बढ़ा देती है। सूचना क्रांति ने जवाबी कार्रवाई का समय बहुत कम कर दिया और सोशल मीडिया को युद्धक्षेत्र जैसा बना दिया है। सबसे अहम यह है कि तकनीकी विकास के चलते उन क्षमताओं तक सभी की पहुंच हो गई, जिन पर कभी सिर्फ बड़ी सैन्य ताकतों का एकाधिकार था। नतीजतन, स्पष्ट जीत हासिल कर पाना कठिन होता जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यह साफ दिखता है। बड़े पारंपरिक सैन्य टकराव के बावजूद यह युद्ध आज भी परमाणु धमकियों, प्रतिबंधों, साइबर ऑपरेशनों और ड्रोन वारफेयर से निर्मित व्यापक ग्रे जोन में अटका है। भारी संसाधन खपाने के बावजूद किसी को निर्णायक बढ़त नहीं मिली। गाजा, लेबनान और यमन के संघर्षों में भी नजर आता है कि सैन्य श्रेष्ठता अब राजनीतिक समाधान की गारंटी नहीं देती। इजराइल के पास जबरदस्त सैन्य बढ़त है, लेकिन निर्णायक परिणाम हासिल नहीं हो सका, क्योंकि हूती जैसे समूह सस्ते ड्रोन और मिसाइलों के हमलों से लाल सागर के अहम समुद्री मार्गों को बाधित कर रहे हैं। कमजोर प्रतिद्वंद्वी अब पूरी जीत नहीं, बल्कि टिके रहने, बाधा डालने और बने रहने की क्षमता हासिल करना चाह रहे हैं। तकनीक के प्रसार ने भी कमजोर देशों और प्रॉक्सी समूहों की ड्रोन, साइबर टूल्स, सटीक मार करने वाली मिसाइलों और इन्फॉर्मेशन वारफेयर की क्षमताओं तक पहुंच सुलभ कर दी है। भले ही वे युद्ध जीतने में सक्षम न हों, लेकिन उनके पास मजबूत प्रतिद्वंद्वियों की निर्णायक जीत को रोके रखने की अभूतपूर्व क्षमता है। अब इससे एक नई रणनीतिक स्थिति पैदा हुई- जीत मिले बिना युद्ध से अलग होना। अकसर युद्ध अब औपचारिक शांति समझौते या आत्मसमर्पण से नहीं, बल्कि एक असहज विराम, अस्थायी सीजफायर या प्रबंधित तरीके से मिलिट्री डिसइंगेजमेंट के रूप में खत्म होते हैं। बड़ी ताकतें सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखती हैं, लेकिन राजनीतिक उद्देश्य पूरी तरह हासिल नहीं कर पातीं। निर्णायक परिणामों का स्थान अब रणनीतिक थकान लेने लगी है। एक और महत्वपूर्ण बदलाव है- युद्धक्षेत्र का विस्तार। युद्ध अब केवल सेना और सीमा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बुनियादी ढांचा, संचार प्रणाली, एनर्जी ग्रिड, वित्तीय नेटवर्क और आम धारणा- ये सब भी युद्धक्षेत्र में आ चुके हैं। सैन्य अभियानों के साथ नैरेटिव मैनेजमेंट भी प्रमुख रणनीतिक साधन बन गया है। जो देश लंबे तनाव के दौरान सामाजिक एकता, आर्थिक स्थिरता और जनता का भरोसा बनाए रख सकेंगे, दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त उन्हें ही मिलेगी। निर्णायक परिणाम वाले युद्धों का युग समाप्त हो रहा है। उनकी जगह ऐसी स्थायी प्रतिस्पर्धाएं ले रही हैं, जो पारंपरिक युद्ध की सीमा के आसपास और उसके भीतर जारी रहती हैं। रणनीतिक अस्पष्टता अब एक प्रमुख हकीकत बन चुकी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,सैयद अता हसनैन)

श्रावण मास की तैयारियों पर महापौर का सख्त एक्शन, कांवड़ियों की सुविधा के लिए घाटों और शिवालयों का किया व्यापक निरीक्षण

श्रद्धालुओं की आस्था से कोई समझौता नहीं–श्रावण शुरू होने से पहले हर व्यवस्था होगी दुरुस्त : महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सोमवार को रावण मास में भगवान शिव के भक्तों

एवं कांवड़ियों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुगम व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रयागराज के महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने सोमवार को नगर क्षेत्र के प्रमुख गंगा घाटों एवं शिवालयों का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अव्यवस्थाएं मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी व्यवस्थाएं श्रावण प्रारंभ होने से पूर्व हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पाण्डेय, जोनल सेनेटरी अधिकारी प्रवीण कुमार, सफाई निरीक्षक रंजन श्रीवास्तव एवं अर्चना विश्वकर्मा, जलकल विभाग के अवर अभियंता राम सक्सेना, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता एवं अवर अभियंता सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने गंगा रिवर फ्रंट पर गंगा प्रतिमा से लेकर नागवासुकी मंदिर तक का निरीक्षण किया, जहां कई स्थानों पर सीवर लीकेज, क्षतिग्रस्त सड़कें तथा नीचे धंसे सीवर ढक्कन पाए गए। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में यही मार्ग हजारों कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की आवाजाही का प्रमुख रास्ता रहेगा। ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने तत्काल सड़क मरम्मत, सीवर लीकेज बंद कराने तथा टूटे एवं धंसे सीवर ढक्कनों को बदलने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दशाश्वमेध घाट पर नगर निगम द्वारा बनाए गए चेंजिंग रूम का आकार छोटा पाए जाने तथा उस पर स्वच्छता संबंधी संदेश अंकित न होने पर महापौर ने तत्काल आवश्यक सुधार कराने के निर्देश दिए। साथ ही घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में आई-कैट (सुरक्षा जाल), बैरिकेडिंग तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश दिया। महापौर ने निरंजनी अखाड़ा गेट के पास नए रेलवे पुल के नीचे जल निकासी व्यवस्था का भी निरीक्षण किया, जहां पानी का बहाव बाधित होने से गंदे पानी का जमाव मिला। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह कांवड़ यात्रा का प्रमुख मार्ग है और जलभराव के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर महापौर ने संबंधित विभागों को तत्काल जल निकासी सुचारु कर मार्ग को पूरी तरह साफ कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीचन्द्र कंट्रोल वाले के समीप स्थित गली, जो गंगा रिवर फ्रंट रोड से जुड़ती है, वहां इंटरलॉकिंग एवं सीढ़ियों के निर्माण के निर्देश भी दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक सुविधाजनक हो सके। इसके बाद महापौर ने मनकामेश्वर मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। मंदिर के दूसरी ओर जाने वाली नाली जाम पाए जाने पर उन्होंने तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। वहीं पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित सुलभ कॉम्प्लेक्स बंद मिलने पर उसे नगर निगम के माध्यम से शीघ्र

संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रावण मास में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित सफाई निरीक्षक को पूरे श्रावण मास मंदिर परिसर एवं आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के अंत में महापौर ने अधिकारियों की बैठक लेकर श्रावण मास से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन घाटों से कांवड़िये जल भरकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं, वहां विशेष प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराए जाएं। इसके अंतर्गत सभी घाटों एवं शिवालयों के आसपास पेड़ों की कटिंग, नियमित सफाई, कूड़ा निस्तारण, कीटनाशक दवा का छिड़काव, सीवर लीकेज की मरम्मत, टूटे ढक्कनों का प्रतिस्थापन, चोक नालियों एवं सीवरों की सफाई, समुचित प्रकाश व्यवस्था, आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई, अस्थायी लाइटिंग, बालू की बोरियां, बैरिकेडिंग, आई-कैट, अस्थायी चेंजिंग रूम, स्वच्छता संदेशों का प्रदर्शन, अस्थायी शौचालय एवं शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि श्रावण मास में प्रयागराज आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। श्रावण मास के आगमन से पूर्व नगर निगम द्वारा किया गया यह निरीक्षण धार्मिक आस्था के प्रति प्रशासन की गंभीरता को दर्शाता है िमहापौर के निर्देशों के बाद अब नगर निगम के विभिन्न विभागों ने सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने की तैयारी तेज कर दी है, ताकि शिवभक्तों और कांवड़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

डीएम व एसपी ने सावन मास की तैयारियों का किया स्थलीय निरीक्षण,श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को आगामी सावन मास, कांवड़ यात्रा, घाटों पर स्नान एवं शिव मंदिरों में जलाभिषेक के दृष्टिगत

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जनपद के प्रमुख धार्मिक स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने आस्तीक मंदिर एवं भरवेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन मास में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने मंदिर परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था, पर्याप्त पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण कर लें, ताकि किसी प्रकार की कमी न रहे। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिरों एवं प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, सीसीटीवी एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि सावन मास के दौरान सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीमों को सतर्क रखा जाए। निरीक्षण के अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उप जिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश, क्षेत्राधिकारी महराजगंज प्रदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा, मंदिर में पूजन-अर्चन कर दिए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सावन मास एवं आगामी धार्मिक आयोजनों को

देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किया तथा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, जलाभिषेक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, भीड़ नियंत्रण, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था तथा स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। साथ ही आवश्यक स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती एवं आपातकालीन सहायता की व्यवस्था रखी जाए।

श्रावण मास की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस अलर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, सम्बन्धित अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश। आगामी श्रावण मास के दौरान जनपद के प्रमुख शिवालयों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी सोनभद्र श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में पुलिस लाइन कांफ्रेन्स हॉल में प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य श्रावण मास के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात एवं जनसुविधाओं को लेकर समन्वित कार्ययोजना तैयार करना रहा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), मुख्य विकाश अधिकारी, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी घोरावल, क्षेत्राधिकारी ओबरा, क्षेत्राधिकारी यातायात, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, प्रभारी यातायात, प्रतिसार निरीक्षक, प्रभारी अभिसूचना इकाई, प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज, प्रभारी निरीक्षक पन्नूगंज, प्रभारी निरीक्षक रामपुर बरकोनिया, प्रभारी निरीक्षक घोरावल, प्रभारी निरीक्षक करमा, थानाध्यक्ष शाहगंज, समस्त प्रभारी अधिकारी (श्रावण मास ड्यूटी) तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों से श्रावण मास के दौरान उनके विभागों द्वारा की जाने वाली तैयारियों एवं कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान शिवालयों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर एवं संपर्क मार्गों पर पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि श्रावण मास के दौरान प्रत्येक प्रमुख मंदिर एवं मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए। संवेदनशील स्थलों पर निरंतर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अफवाह अथवा असामाजिक गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में यातायात व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि श्रावण मास के दौरान प्रमुख मंदिरों एवं मेला क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के निर्बाध आवागमन हेतु प्रभावी ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान लागू किया जाए।

देश में जल्द चलेंगे रु10 और रु20 के प्लास्टिक के नोट, ट्रायल के लिए 200 करोड़ नोट छपेंगे,कागज के नोट भी चलेंगे

नई दिल्ली। एफवाई25 में आरबीआई ने कागजी नोटों की

छपाई पर रु6,372.8 करोड़ खर्च किए थे। पॉलीमर नोट लंबे चलेंगे, जिससे बार-बार छापने का खर्च घटेगा। 2. ये पॉलीमर नोट कब तक मार्केट में आएंगे? फिलहाल यह एक ट्रायल यानी पायलट प्रोजेक्ट है। आरबीआई की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट की सप्लाई के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया है, जिसमें बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त तय की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने, कच्चा माल मिलने और छपाई के बाद ही यह नोट अलग-अलग चरण में बाजार में देखने को मिलेंगे। यदि यह ट्रायल सफल रहता है, तो आगे और भी नोट पॉलीमर में छापे जाएंगे। 3. क्या पुराने रु10 और रु20 के कागजी नोट बंद हो जाएंगे? बिल्कुल नहीं। सरकार और आरबीआई ने पूरी तरह साफ किया है कि पॉलीमर नोट आने से पुराने कागजी नोट चलन से बाहर नहीं होंगे। को-एग्जिस्टेंस: बाजार में पॉलीमर और पेपर दोनों ही तरह के नोट एक साथ चलते रहेंगे। फेज में बदलाव: यह बदलाव धीरे-धीरे और फेज मैनर यानी अलग-अलग चरण में किया जाएगा। सर्कुलेशन जारी रहेगा: जब तक नए नोट पूरी तरह स्थापित नहीं होते, तब तक कागजी नोट सर्कुलेशन में बने रहेंगे। 4. पॉलीमर नोट का प्रस्ताव कब आया था? 2012: भारत ने पहली बार नोटों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए पॉलीमर नोट लाने का प्रयास किया था, लेकिन तकनीकी वजहों से प्रोजेक्ट रुक गया था। मई-जून : मीडिया रिपोर्ट्स और आरबीआई की रिपोर्ट में शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए पॉलीमर नोटों पर विचार की बात आई। जून में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पुष्टि की कि पॉलीमर नोटों का प्रस्ताव विचाराधीन है और इसके नफा-नुकसान का वैल्यूएशन किया जा रहा है। हालिया फैसला: वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में पुष्टि की कि केंद्र सरकार ने 200 करोड़ पॉलीमर नोटों के ट्रायल को मंजूरी दे दी है। 5. दुनिया के किन देशों में प्लास्टिक नोट चलते हैं? दुनिया के 60 से ज्यादा देशों में पॉलीमर बैंकनोट्स चलन में शामिल किए जा चुके हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और न्यूजीलैंड जैसे देश शामिल हैं।

श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जनपद सोनभद्र में रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं/कांवड़ियों की सुरक्षा, सुगम

आवागमन तथा जनपद में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में भारी वाहनों के आवागमन हेतु रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई है। श्रावण मास के प्रमुख पर्व एवं तिथियां- प्रथम सोमवार : 03 अगस्त 2026, द्वितीय सोमवार : 10 अगस्त 2026, श्रावण शिवरात्रि : 11 अगस्त 2026, तृतीय सोमवार : 17 अगस्त 2026, चतुर्थ सोमवार : 24 अगस्त 2026, रूट डायवर्जन की अवधि- रूट डायवर्जन व्यवस्था 31 जुलाई 2026 (शुक्रवार) रात्रि 08:00 बजे से प्रभावी होगी। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार के अवसर पर शुक्रवार सायं 08:00 बजे से मंगलवार प्रातः 08:00 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा। श्रावण शिवरात्रि (11 अगस्त 2026) के दृष्टिगत 07 अगस्त 2026 (शुक्रवार) रात्रि 08:00 बजे से 12 अगस्त 2026 (बुधवार) प्रातः 08:00 बजे तक रूट डायवर्जन प्रभावी रहेगा।भारी वाहनों हेतु रूट डायवर्जन- सोनभद्र से मीरजापुर की ओर जाने वाले भारी वाहन हिन्दुआरी-सुकृत-अहरौरा मार्ग से अपने गंतव्य को जाएंगे। चोपन की ओर से मीरजापुर, भदोही एवं प्रयागराज जाने वाले भारी वाहन रॉबर्ट्सगंज फ्लाईओवर-हिन्दुआरी-अहरौरा-टेंगरा मोड़ होकर जाएंगे। रायपुर-पन्नूगंज से रॉबर्ट्सगंज, घोरावल एवं चोपन की ओर जाने वाले भारी वाहन बेलखुरी मोड़-मधुपुर मार्ग का प्रयोग करेंगे। घोरावल-शाहगंज मार्ग से रॉबर्ट्सगंज शहर आने वाले भारी वाहन शाहगंज तिराहा-राजगढ़ होकर जाएंगे। मारकुण्डी की ओर से कचहरी होते हुए पन्नूगंज जाने वाले भारी वाहन रॉबर्ट्सगंज फ्लाईओवर-मधुपुर-बेलखुरी तिराहा होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। श्रद्धालुओं/कांवड़ियों हेतु विशेष व्यवस्था-राजगढ़/रॉबर्ट्सगंज की ओर से ट्रैक्टर द्वारा आने वाले श्रद्धालुओं/कांवड़ियों को शाहगंज से लगभग 04 किलोमीटर आगे ओदार नामक स्थान से सीधे शिवद्वार मंदिर, घोरावल की ओर डायवर्ट किया जाएगा। आमजन से अपील-सोनभद्र पुलिस आमजन एवं वाहन चालकों से अपील करती है कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा निर्धारित डायवर्जन मार्गों का ही उपयोग करें। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों का पालन करें तथा अनावश्यक भीड़ एवं जाम की स्थिति से बचने में प्रशासन का सहयोग करें। सोनभद्र पुलिस द्वारा श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु व्यापक एवं प्रभावी प्रबंध किए गए हैं।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, शॉपिंग मॉल गिरा, दी गयी एक मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी

कुमामोटो।भूकंप प्रभावित दक्षिणी जापान में राहत और बचाव अभियान के लिए जापान सेल्फ डिफेंस फोर्स के 300 जवानों को भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेना स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव कार्य, राहत सामग्री पहुंचाने और प्रभावित लोगों की मदद में जुटेगी। जापान में मंगलवार को भूकंप के कुछ घंटे बाद काशिमा टाउन स्थित एक शॉपिंग मॉल में धमाका होने की खबर है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कई लोग मॉल के अंदर फंसे हुए हैं और कुछ के मारे जाने की भी आशंका जताई जा रही है। स्थानीय न्यूज एजेंसी एनएचके के मुताबिक, दमकल विभाग ने बताया कि धमाके के बाद इमारत की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा ढह गया। भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर बुलेट ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं, जिसके चलते स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ लग गई। दक्षिण-पश्चिमी

जापान के फुकुओका स्थित जेआर हाकाता स्टेशन पर बड़ी संख्या में यात्री फंसे हुए हैं। कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे हुए या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत इसकी सूचना देने को कहा है। सुनामी अलर्ट के बाद तत्काल निकासी के आदेश-सुनामी अलर्ट जारी होने के बाद जापान के प्रशासन ने प्रभावित तटीय इलाकों में तत्काल निकासी के आदेश जारी किए हैं। अरियाके और यात्सुशिरो सागर के लिए एडवाइजरी लागू है। प्रशासन ने लोगों से कहा है कि समुद्र और तटीय इलाके खतरनाक हैं। तुरंत तट से दूर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। जब तक एडवाइजरी वापस नहीं ली जाती, तब तक समुद्र में न जाएं और न ही तट के पास जाएं। साथ ही, कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों में आपातकालीन चेतावनी जारी की गई है। लोगों से शांत रहने, स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और टीवी, रेडियो व आधिकारिक माध्यमों से जारी अपडेट पर नजर रखने की अपील की गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, 7.1 तीव्रता के भूकंप के बाद 1 मीटर तक ऊंची सुनामी की लहरें उठने की आशंका जताई गई है। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। भूकंप के बाद जापान सरकार ने कुमामोटो के अलावा नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों में भी आपातकालीन भूकंप चेतावनी जारी की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न,एक्सप्रेसवे के समीप दुद्धी तहसील के म्योरपुर ब्लॉक में 1000 हेक्टेयर में बनेगा औद्योगिक हब

लंबित औद्योगिक परियोजनाओं के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश,बैंकों को ऋण प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में औद्योगिक निवेश को नई गति देने तथा निवेशकों के समक्ष आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं, निवेश संबंधी प्रकरणों, भूमि उपलब्धता, बैंकिंग सहयोग तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एकीकृत विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक क्लस्टर (औद्योगिक हब) स्थापित करने के लिए एक्सप्रेसवे के समीप दुद्धी तहसील के बभनी ब्लॉक में 1000 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन कर शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इससे जनपद में बड़े औद्योगिक निवेश आकर्षित होंगे तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। यहॉ पर एक हजार हेक्टेयर में इन्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग व लाजिस्टीक क्लस्टर (आई0एम0एल0सी0) का निर्माण होगा। औद्योगिक हब के रूप में सोनभद्र को विकसीत करने की दिशा में बड़ा कदम है। आदिवासिय बाहुल्य अति पिछड़े जिले सोनभद्र को प्रदेश का नया औद्योगिक हब बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। बैठक में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज को निर्देशित किया कि सरदार पटेल

औद्योगिक क्षेत्र के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर एमएसएमई विभाग को भूमि हस्तांतरण की समस्त प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए, जिससे औद्योगिक विकास की योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। बैठक के दौरान उद्यमी मित्र के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने ग्रीनको ग्रुप से संबंधित भूमि सीलिंग प्रकरण की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जेएसडब्ल्यू परियोजना की संयुक्त जांच आख्या एक सप्ताह के भीतर तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं वन विभाग को निर्देशित किया।बैठक में बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बैंकों में ऋण संबंधी आवश्यक चेकलिस्ट नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित न होने की समस्या को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि दो दिवस के भीतर जनपद के सभी बैंकों में ऋण संबंधी चेकलिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए, ताकि आमजन एवं उद्यमियों को आवश्यक जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी बैंकों को निर्देशित किये कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन बिना अनावश्यक विलंब के समयबद्ध रूप से निस्तारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशुतोष कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा दिलीप तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर आशीष कुमार त्रिपाठी, सहायक आयुक्त उद्योग विजय कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

पशुआहार में मानक से अधिक यूरिया, दूध भी इन्फेक्टेड, लिवर-किडनी डैमेज का रिस्क, पीने से पहले चेक करें क्वालिटी

नयी दिल्ली। दूध में पानी, डिटर्जेंट और सिंथेटिक

केमिकल्स की मिलावट की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अब मिलावट का खेल पशुओं के चारे तक पहुंच गया है। चिंता की बात यह है कि इसका असर पशुओं के साथ हमारी सेहत पर भी पड़ रहा है। हाल ही में राजस्थान से पशुआहार में तय सीमा (1फीसदी) से ज्यादा (करीब 1.5फीसदी से 4फीसदी तक) यूरिया मिलाने का मामला सामने आया है। ज्यादा चिंता की बात ये है कि इसमें फीड ग्रेड की बजाय खराब क्वालिटी का यूरिया मिलाया जा रहा है। सीमित मात्रा में 'फीड ग्रेड यूरिया' का इस्तेमाल पशुओं के पोषण के लिए किया जाता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा या खराब क्वालिटी का यूरिया पशुओं की सेहत बिगाड़ सकता है। इसका असर दूध की क्वालिटी पर भी पड़ता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हाई यूरिया वाला पशुआहार खा रहे गाय-भैंस के दूध से किडनी और लिवर डैमेज का रिस्क हो सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- पशुआहार में यूरिया क्यों मिलाया जाता है? हाई यूरिया मिल्क के क्या हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? दूध खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय पर और प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः- डॉ. आदेश कुमार वर्मा, वेटेरिनरी कंसल्टेंट और असिस्टेंट प्रोफेसर, केएपीजी कॉलेज, प्रयागराज,डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली साथ ही विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- पशुआहार में किन चीजों की मिलावट की जा रही है? जवाब- हाल ही में राजस्थान से पशुआहार में तय सीमा से ज्यादा यूरिया मिलाने का मामला सामने आया है। मिलावटखोर इसके अलावा खराब अनाज, भूसी, एग्रीकल्चरल वेस्ट और सस्ते फिलर्स भी मिलाते हैं। इससे पशुओं की सेहत, दूध उत्पादन और दूध की क्वालिटी प्रभावित हो सकती है। सवाल- पशुआहार में यूरिया क्यों मिलाया जाता है? जवाब- यूरिया पशुओं के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं है। तय मात्रा में फीड ग्रेड यूरिया (पशुओं के खाने वाला यूरिया) नॉन-प्रोटीन नाइट्रोजन (एनपीए) सोर्स के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। गाय-भैंस जैसे जुगाली करने वाले पशु इसे अपने पेट में मौजूद सूक्ष्मजीवों की मदद से प्रोटीन में बदल सकते हैं। इससे चारे की न्यूट्रिशन क्वालिटी बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिलती है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल आर्टिफिशियल प्रोटीन की मात्रा ज्यादा दिखाने के लिए किया जाता है। समस्या तब होती है, जब पशुआहार में तय सीमा से ज्यादा या इंडस्ट्रियल यूरिया मिलाया जाता है। सवाल- फीड ग्रेड यूरिया और इंडस्ट्रियल यूरिया में क्या अंतर है? जवाब- फीड ग्रेड और इंडस्ट्रियल दोनों ही यूरिया हैं, लेकिन इनकी क्वालिटी और इस्तेमाल के उद्देश्य अलग होते हैं। फीड ग्रेड यूरियाः ये खासतौर पर पशुओं के लिए बनाया जाता है। इसमें

हानिकारक तत्वों की मात्रा तय मानकों के भीतर रखी जाती है, इसलिए यह सीमित मात्रा में पशुओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। इंडस्ट्रियल यूरियाः इसका इस्तेमाल केमिकल्स, रेजिन, प्लास्टिक, खाद और अन्य इंडस्ट्रियल कामों में होता है। इसमें हानिकारक तत्व और कुछ ऐसे केमिकल्स हो सकते हैं, जो पशुओं के लिए सुरक्षित नहीं माने जाते। सवाल- ज्यादा यूरिया वाला पशुआहार खाने से गाय-भैंस को क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- पशुआहार में तय मानक से ज्यादा यूरिया होने पर गाय-भैंसों को कई हेल्थ रिस्क हो सकते हैं। गंभीर मामलों में यह जानलेवा भी हो सकता है। सवाल- क्या पशुआहार में ज्यादा यूरिया होने से दूध में भी यूरिया बढ़ सकता है? जवाब- हां, अगर पशु लंबे समय तक जरूरत से ज्यादा यूरिया वाला पशुआहार खाता है तो उसके शरीर में नाइट्रोजन और यूरिया का लेवल बढ़ सकता है। इसका असर दूध की क्वालिटी पर पड़ता है। इससे दूध में यूरिया की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो सकती है। हम पशु को जो खिला रहे हैं, वही उसके दूध के जरिए हमारे शरीर तक पहुंच रहा है। इसलिए उनके आहार और स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। भोजन चाहे मनुष्य का हो या पशु का, उसके साथ लापरवाही ठीक नहीं। हाई यूरिया वाला दूध सेहत के लिए नुकसानदायक है। इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, सवाल- हाई यूरिया वाला दूध पीने से बच्चों की सेहत पर क्या असर हो सकता है? जवाब- बच्चों का शरीर वयस्कों की तुलना में ज्यादा सेंसिटिव होता है। इसलिए उनकी सेहत पर जल्दी और ज्यादा असर पड़ता है। इससे पाचन संबंधी समस्याएं, कमजोरी और न्यूट्रिशन इम्बैलेंस हो सकता है। साथ ही शारीरिक ग्रोथ पर भी नेगेटिव असर पड़ता है। सवाल- किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? जवाब- लंबे समय तक हाई यूरिया मिल्क लेने से कुछ लोगों को ज्यादा रिस्क होता है।सवाल- क्या दूध देखकर पता लगाया जा सकता है कि उसमें यूरिया ज्यादा है? जवाब- नहीं, दूध देखकर यह पता लगाना मुश्किल है कि उसमें यूरिया ज्यादा है या नहीं। इसकी पुष्टि लैब टेस्ट या स्पेशल टेस्ट किट से ही की जा सकती है। इसलिए शक होने पर दूध की जांच करानी चाहिए। सवाल- क्या दूध उबालने से यह रिस्क खत्म हो जाता है? जवाब- नहीं, दूध उबालने से यूरिया खत्म नहीं होता। उबालने से दूध में मौजूद बैक्टीरिया तो नष्ट हो सकते हैं, लेकिन घुला हुआ यूरिया बना रहता है। सवाल- दूध खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- कुछ बुनियादी सावधानियां बरतकर मिलावट और खराब क्वालिटी वाले दूध का रिस्क काफी हद तक कम किया जा सकता है। पशुओं की अच्छी सेहत और बेहतर दूध उत्पादन के लिए पशुपालकों को कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सवाल- पशुआहार की क्वालिटी की निगरानी कौन करता है? जवाब- इसकी निगरानी मुख्य रूप से राज्य पशुपालन विभाग और संबंधित सरकारी लैबोरेटरीज करती हैं। ये समय-समय पर पशुआहार के सैंपल लेकर उनकी जांच करते हैं। मानकों के उल्लंघन या मिलावट पाए जाने पर संबंधित निर्माता और विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सवाल- पशुआहार में कितना यूरिया मिलाने की अनुमति है? जवाब- पशुआहार में अधिकतम 1इ तक फीड ग्रेड यूरिया मिलाने की अनुमति है। इससे ज्यादा मात्रा पशुओं की सेहत के लिए नुकसानदायक है। इससे यूरिया टॉक्सिसिटी का रिस्क हो सकता है।

सवाल- खराब क्वालिटी का पशुआहार बेचने पर क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- ऐसे मामलों में कार्रवाई संबंधित राज्य के नियमों और मिलावटखोरी की गंभीरता पर निर्भर करता है। जांच में गड़बड़ी साबित होने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। जुर्माना या अन्य कानूनी कार्रवाई हो सकती है। प्रोडक्शन यूनिट सील हो सकती है। सवाल- अगर आपको दूध की क्वालिटी पर शक हो तो कहां शिकायत करें? जवाब- इसकी शिकायत स्थानीय फूड सेफ्टी ऑफिसर और 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (एफएसएसएआई) से कर सकते हैं। एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' पोर्टल/मोबाइल एप के जरिए भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत के साथ दूध का सैंपल, बिल और अन्य उपलब्ध जानकारी शेयर करने से जांच में मदद मिलती है।

कंगना ने नई जनरेशन की महिलाओं को कहा- गटर छाप,लिखा- नशा, शराब, कई आदमियों से यौन संबंध बनाना इनके लिए आजादी

हाउसवाइफ तक नहीं बन सकतीं

मुंबई। सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने नई पीढ़ी की भारतीय महिलाओं को गटर कहा है। कंगना का कहना है कि ये महिलाएं स्वतंत्र महिलाओं की नकल उतारते हुए नशे करने, शराब पीने और अनगिनत आदमियों से यौन संबंध बनाने को स्वतंत्रता कहती हैं। कंगना ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से लिखा है, 'सबसे शर्मनाक बात उन युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है, जो स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को नहीं निभाना चाहतीं। असल में स्वतंत्र महिलाएं विद्रोही फैसले लेती हैं, बेबाक राय रखती हैं, परंपराओं से हटकर करियर चुनती हैं और अपने हर फैसले की पूरी जिम्मेदारी भी उठाती हैं। उन्हें अपने कर्मों की कीमत खुद चुकानी पड़ती है। वे अपने माता-पिता या परिवार की कीमत पर ऐसा नहीं करतीं।'आगे कंगना ने लिखा, 'आज तथाकथित

वेस्टर्न सोच से प्रभावित भारतीय महिलाओं की एक नई पीढ़ी सामने आई है। मैं इन्हें 'गटर जेनरेशन' कहती हूं। इनमें से कुछ के पास समाज को देने के लिए कुछ भी नहीं है। वे पढ़ाई में अच्छी नहीं हैं, लेकिन इतनी बदसूरत सोच और भ्रष्ट मानसिकता रखती हैं कि अच्छी हाउसवाइफ भी नहीं बन सकतीं।' 'इसके बावजूद वे अपनी तथाकथित आजादी का दिखावा करती हैं, नशा, शराब और अनगिनत यौन संबंधों को अपनी आजादी बताती हैं। बेशर्मी से अपने माता-पिता की कमाई पर पलती हैं और लगातार स्वतंत्र जीवन जीने की बातें करती हैं, जबकि वास्तव में वे आत्मनिर्भर होती ही नहीं। एक छोटी-सी याद दिला दूं, आजाद जीवन कमाना पड़ता है। अगर बिना जिम्मेदारी उठाए स्वतंत्र बनने की कोशिश करोगे, तो तुम सिर्फ एक विकृत मानसिकता वाले इंसान हो, 'गटर छाप'।' स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर कहा था- कैसी परवरिश हो रही है-भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने सोमवार को स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर भी विवादित राय दी और नई जनरेशन की परवरिश पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया से लिखा, 'अपनी पूरी जिंदगी में मैंने कभी इतनी बदसूरती एक साथ नहीं देखी। जेन-ज़ी के विरोध-प्रदर्शनों की ये रीलें देखकर घिन आती है। इन लोगों के बोलने का तरीका और जिस भाषा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हर फ्रेम इतना अजीब और परेशान करने वाला है कि देखकर घिन होती है। आखिर इन्हें जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है?' स्टूडेंट प्रोटेस्ट के खिलाफ भी दिए कई बयान- कंगना रनोट ने सोशल मीडिया के जरिए स्टूडेंट प्रोटेस्ट का जमकर विरोध किया था। उन्होंने कहा कि किसी को पद से हटाने या रखने के लिए सरकार पर दबाव बनाना गलत है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मुद्दों पर बहस के लिए संसद सही जगह है, न कि आंदोलन। कंगना ने कहा था की ये सब जंतर-मंतर पर हुड़दंग कर रहे हैं, उत्पात मचा रहे हैं। जिस तरह से आंदोलन चल रहा है वो ठीक नहीं है। दरअसल दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी छात्रों की मांगों के समर्थन में कई दिनों से प्रदर्शन कर रही है। इसके बाद जब प्रोटेस्ट खत्म हुआ तो कंगना ने प्रदर्शनकारियों की भाषा की आलोचना की।

तमिलनाडु में रंगीन पापड़ पर बैन,खरीदते हुए ध्यान रखें ये 6 बातें, सिंथेटिक कलर खतरनाक, किडनी-लिवर डैमेज का रिस्क

कानपूर/लखनऊ। हाल ही में तमिलनाडु सरकार ने रंगीन पापड़ों (फ्राइम्स/कचरी) की बिक्री पर रोक लगा दी है। राज्य के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने जांच में पाया कि इनमें सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल हो रहा था, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। विभाग ने इसे खासकर बच्चों की सेहत के लिए खतरा बताया है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में रंगीन पापड़ के हेल्थ रिस्क पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- पापड़ खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें?रंगीन पापड़ की जगह कौन-से हेल्दी स्नैक्स खा सकते हैं? विषय को समझेंगे डॉ. आशीष मेहरोत्रा, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, कानपुर व डॉ. उमेश कुमार, फूड एनालिस्ट, फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, उत्तर प्रदेश जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- रंगीन पापड़ क्या है और ये सामान्य पापड़ से कैसे अलग है? जवाब- आइए इसे सिलसिलेवार ढंग से समझते हैं- रंगीन पापड़-ये मैदा, आलू, साबूदाना, चावल या अन्य स्टार्च से बनाए जाते हैं। इन्हें आकर्षक दिखाने के लिए अलग-अलग रंग मिलाए जाते हैं। तलने पर ये फूलकर कुरकुरे हो जाते हैं और रंग-बिरंगे दिखते हैं। सामान्य पापड़-ये उड़द, मूंग, चावल या अन्य दालों के आटे, मसालों और नमक से बनते हैं। इनमें आमतौर पर आर्टिफिशियल कलर नहीं मिलाए जाते हैं। इन्हें तलने के साथ-साथ भूनकर भी खाया जा सकता है। सवाल- तमिलनाडु सरकार ने रंगीन पापड़ की बिक्री पर बैन क्यों लगाया? जवाब- तमिलनाडु सरकार ने बैन इसलिए लगाया क्योंकि- इनमें सिंथेटिक रंगों का इस्तेमाल हो रहा था। ये रंग सेहत के लिए खतरनाक हैं। पब्लिक हेल्थ के लिए खतरा हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी है। सवाल- इन फ्राइम्स/कचरी में किन आर्टिफिशियल चीजों की मिलावट पाई गई?जवाब- तमिलनाडु फूड सेफ्टी विभाग की जांच में कुछ रंगीन पापड़ों में ऐसे सिंथेटिक फूड कलर्स के इस्तेमाल की बात सामने आई, एफ.एस.एस.एआई के नियमों के तहत जिनके उपयोग की अनुमति नहीं है। अधिकारियों ने विशेष रूप से आर्टिफिशियल कलर्स के हेल्थ रिस्क को देखते हुए इन उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया है। इसके पहले कई हेल्थ स्टडीज, रिसर्च और जांच में यह बार-बार कहा जा चुका है कि खाने-पीने की चीजों में मिलाए जाने वाले सिंथेटिक फ्लेवर और कलर सेहत के लिए खतरनाक हैं। एफएसएसएआई ने भी इसके मानक तय किए हैं और कुछ सिंथेटिक कलर्स को बैन किया है। एफएसएसएआई द्वारा प्रतिबंधित सिंथेटिक कलर्स में मेटानिल येलो, रोडामाइन-बी, ऑरामाइन-ओ, मैलाकाइट ग्रीन, सूडान डाई, ऑरेंज-2 लेड क्रोमेट, अन्य इंडस्ट्रियल/टेक्सटाइल डाई। सिंथेटिक फ्लेवर और कलर हेल्थ रिस्क शार्ट टर्म- एलर्जी, स्किन रैशेज, पेट दर्द, उल्टी या दस्त, सिरदर्द, लॉन्ग टर्म-लिवर डैमेज, किडनी डैमेज, कैंसर का रिस्क, बच्चों में हाइपरएक्टिविटी। सवाल- ये फूड छोटे बच्चों के लिए ज्यादा नुकसानदायक क्यों है? जवाब- छोटे बच्चों का शरीर अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता और उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है, इसलिए वे टॉक्सिन्स के प्रति ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। ऐसे में थोड़ी मात्रा में भी सिंथेटिक कलर उनकी सेहत पर ज्यादा असर डाल सकता है। कुछ बच्चों में इससे एलर्जी, डाइजेस्टिव इश्यू और हाइपरएक्टिविटी का जोखिम बढ़ सकता है।

सवाल- क्या घर में बने रंगीन पापड़ भी नुकसानदायक हो सकते हैं? जवाब- देखिए, खतरनाक घर या बाहर का पापड़ नहीं, बल्कि उसमें मिलाया जाने वाला आर्टिफिशियल कलर है। अगर घर में भी बाजार से खरीदकर आर्टिफिशियल कलर मिलाया जाए तो वो भी उतना ही खतरनाक होगा। अगर घर में कलर के लिए हल्दी, चुकंदर, पालक जैसे नेचुरल कलर्स का इस्तेमाल किया जाए तो वह पूरी तरह सुरक्षित है। सवाल- खाने में आर्टिफिशियल कलर मिलाने को लेकर एफ.एस.एस.एआई का नियम क्या कहता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- एफ.एस.एस.एआई के मुताबिक, खाने की चीजों में सिर्फ वही फूड कलर मिलाए जा सकते हैं, जिनकी अनुमति है। इनकी भी मात्रा निर्धारित है। नॉन-परमिटेड कलर्स का उपयोग या तय सीमा से ज्यादा मात्रा में रंग मिलाना नियमों का उल्लंघन है। इसके अलावा पैकेज्ड फूड्स के लेबल पर इस्तेमाल किए गए रंग की जानकारी देना जरूरी है। सवाल- किन फूड आइटम्स में रंग मिलाने की अनुमति है और किनमें नहीं? जवाब- एफ.एस.एस.एआई के नियमों के अनुसार, केवल कुछ तय फूड कैटेगरी में ही अप्रूव्ड फूड कलर्स निर्धारित सीमा के भीतर मिलाए जा सकते हैं। जैसेक-कैंडी, टॉफी, च्युइंगम। बिस्कुट, केक और कुछ बेकरी प्रोडक्ट्स। आइसक्रीम, जेली, डेजर्ट। जैम, जेली, मार्मलेड। कार्बोनेटेड और फ्लेवर्ड ड्रिंक्स। कुछ नमकीन, स्नैक्स और प्रोसेस्ड फूड। कुछ कन्फेक्शनरी और सॉस। इन फूड आइटम्स में अनुमति नहीं- ताजे फल और सब्जियां। दूध, दही, घी। अनाज, दालें, आटा। मांस, अंडे। शहद। रंग-बिरंगे पापड़, फ्राइम्स छोटे बच्चों को जल्दी आकर्षित करते हैं, लेकिन ये सेहत के लिए खतरनाक हैं। इसलिए कोई भी ऐसा फूड न खरीदें, जिसमें आर्टिफिशियल सिंथेटिक रंग मिलाया गया हो। चाहे वो फ्राइम्स हो या फिर केस-पेस्ट्री। सवाल- क्या पापड़ में आर्टिफिशियल कलर मिलाने की अनुमति है? जवाब- नहीं, एफ.एस.एस.एआई के अनुसार, पापड़ में आर्टिफिशियल फूड कलर मिलाने की अनुमति नहीं है।सवाल- क्या पापड़ तलने या सेंकने से आर्टिफिशियल कलर का असर खत्म हो जाता है? जवाब- नहीं, अगर इनमें नॉन-परमिटेड या ज्यादा मात्रा में आर्टिफिशियल कलर मिलाए गए हैं, तो तलने या सेंकने के बाद भी हेल्थ रिस्क बना रहता है। सवाल- रंगीन पापड़ की जगह कौन-से हेल्दी स्नैक्स खा सकते हैं? जवाब- रंगीन पापड़ों की जगह ऐसे स्नैक्स चुनें, जिनमें आर्टिफिशियल कलर और ज्यादा नमक या तेल न हो। घर में बने या कम प्रोसेस्ड स्नैक्स ज्यादा बेहतर विकल्प हैं। आगे सभी हेल्दी ऑप्शन देखिए-भुना चना, मखाना, मूंगफली, मिक्स नट्स, स्प्राउट्स चाट, मौसमी फल, सादा पापड़, उबला / भुना कॉर्न। सवाल- रेडीमेड पापड़ या कोई भी पैकेज्ड फूड खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- अगर पापड़ अपने नेचुरल कलर में है तो उसमें मिलावट की आशंका कम होती है। लेकिन फिर भी ये जरूरी है कि हम एक जागरूक उपभोक्ता बनें। चाहे पापड़ हो या कोई भी पैकेज्ड फूड, खरीदने से पहले ध्यान रखना चाहिए। साथ ही ये 6 चीजें जरूर चेक करनी चाहिए-पैकेजिंग चेक करें। एक्सपायरी डेट देखें। लेबल जरूर पढ़ें। इंग्रीडिएंट्स चेक करें। एफ.एस.एस.एआई लाइसेंस देखें।चमकीला, रंगीन फूड न लें। सवाल- अगर किसी फूड में आर्टिफिशियल कलर या किसी खतरनाक केमिकल की मिलावट का शक हो तो कहां शिकायत करें? जवाब- राज्य के फूड सेफ्टी विभाग से इसकी शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा FSSAI के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' पोर्टल/एप पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चायन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।